दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 10 अंक : 141 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शनिवार 14 जून, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 2 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी सख्त कार्रवाई

सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का रखें ध्यान, तय समय में निर्माण कार्य हों पूरे : भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधारभूत ढ़ांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवागमन को सरल और सुगम बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कों का तंत्र विकसित किया जाए। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के 10 करोड़ रू. से अधिक लागत के निर्माणाधीन लंबित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सड़कों के सुदृढ़ीकरण व चौड़ाईकरण से संबंधित कार्यों में गति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इन कार्यों में लापरवाही बरतने पर जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

रेलवे फाटक मुक्त होगा राजस्थान

बैठक में शर्मा ने आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश को शीघ्र पूर्ण रूप से रेलवे फाटक मुक्त किया जाए। उन्होंने प्रदेश में प्रगतिरत आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क उन्नयन व मरम्मत कार्य मानसून से पहले हों पूरे

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर गांव, हर कस्बा सड़क मार्ग से जुड़ा हो ताकि आवागमन में आमजन को परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि सड़कों के उन्नयन व मरम्मत से संबंधित कार्यों में गति लाई जाए और मानसून से पहले उन्हें पूरा किए जाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया जाए ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। साथ ही, उन्होंने वन विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित प्रक्रियाओं को समन्वय स्थापित करते हुए पूरा करने के निर्देश दिए।

ईरान पर हमले के बाद इजरायल सतर्क: दुनियाभर में बंद किए अपने दूतावास

जयपुर टाइम्स

तेल अवीव(एजेंसी.)।। ईरान पर भीषण हमलों के बाद इस्राइल ने दुनिया भर में अपने दूतावास बंद करने का एलान किया है। इसके साथ ही इस्राइल ने अपने नागरिकों से सतर्क रहने और सार्वजनिक स्थानों पर यहूदी या इस्राइली प्रतीक न दिखाने की अपील की है। इस्राइल ने शुक्रवार को ईरान पर बड़े पैमाने पर हमले करने के बाद दुनिया भर में अपने दूतावासों को बंद कर दिया है। दूतावासों की वेबसाइटों पर जारी बयानों में कहा गया है कि इस्राइल फिलहाल किसी भी प्रकार की कांसुलर सेवा प्रदान नहीं करेगा। सरकार की ओर से जारी बयानों में नागरिकों से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और किसी भी सार्वजनिक स्थान पर यहूदी या इस्राइली प्रतीकों को प्रदर्शित न करें। इसके साथ ही यदि किसी देश में उन्हें किसी प्रकार की शत्रुतापूर्ण गतिविधि का सामना करना पड़े, तो वे स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करें। इस्राइल दूतावासों को कब तक बंद रखेगा, इसके लिए कोई समय-सीमा नहीं दी गई है। विदेश में रहने वाले इस्राइलियों को अपने स्थान के बारे में विदेश मंत्रालय को अपडेट करने के लिए एक फॉर्म भरने के लिए भी कहा गया है। बयान में कहा गया कि हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर, दुनिया भर में इस्राइली मिशन बंद रहेंगे और कांसुलर सेवाएं प्रदान नहीं की जाएंगी।

विमान हादसे में मृत धोरीमन्ना के बोर चारणान निवासी जयप्रकाश के परिजनों से सीएम ने की बात, बंधाया ढांढस

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले धोरीमन्ना के बोर चारणान निवासी जयप्रकाश के परिजनों से शुक्रवार को दूरभाष पर बात कर संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर बाड़मेर जिला कलक्टर टीना डाबी और पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीना ने जयप्रकाश के घर जाकर संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया। इस दौरान जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षक ने परिजनों की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से दूरभाष पर बात करवाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे में दिवंगत के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने

कहा कि यह हादसा अत्यंत दु:खद व हृदय विदारक है। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि दु:ख की इस घड़ी में राज्य सरकार परिजनों के साथ है। उल्लेखनीय है कि डॉ. जयप्रकाश पुत्र धर्माराम जाट निवासी बोर चारणान अहमदाबाद में रहकर एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे जिनका 12 जून को अहमदाबाद विमान हादसे में निधन हो गया था। इस दौरान उपखंड अधिकारी भागीरथ विश्नोई, समाजसेवी अनंतराम विश्नोई, भंवार सुजाराम खींचड़, भागीरथ कड़वासरा, पी.सी. पूनिया, ओम प्रकाश मांजू ने भी सांत्वना प्रदान की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी पूर्व सीएम विजय रुपाणी के परिजनों को सांत्वना

जयपुर टाइम्स

अहमदाबाद(एजेंसीं.)।। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की, जिनकी अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। 68 वर्षीय रूपाणी लंदन जाने वाली उड़ान के 241 यात्रियों में शामिल थे। पीएम मोदी ने शुक्रवार को अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना स्थल का दौरा किया और यहां सिविल अस्पताल में घायल पीड़ितों से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने शहर में रूपाणी के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, विजयभाई रूपाणी के परिवार से मुलाकात की। यह अकल्पनीय है कि विजयभाई हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें दशकों से जानता हूं। हमने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, जिसमें कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण समय भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विजयभाई विनम्र और मेहनती थे, पार्टी की विचारधारा के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध थे। पद पर बढ़ते हुए उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाईं और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगन से काम किया। मोदी ने कहा कि उन्हें जो भी भूमिका दी गई, उसमें उन्होंने खुद को साबित किया, चाहे वह राजकोट नगर निगम में हो, राज्यसभा सांसद के रूप में हो, गुजरात भाजपा अध्यक्ष के रूप में हो या राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में हो। उन्होंने कहा कि जब वे गुजरात के सीएम थे, तब भी मैंने और विजयभाई ने बड़े पैमाने पर साथ में काम किया था। उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए, जिससे गुजरात के विकास में तेजी आई, खासकर जीवन को आसान बनाने में। हमारे बीच हुई बातचीत हमेशा याद रहेगी। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं। पीएम ने पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी अंजलि रूपाणी और परिवार के अन्य सदस्यों से एयरपोर्ट के पास गुजसेल बिल्डिंग में मुलाकात की। रूपाणी राजकोट पश्चिम सीट से गुजरात विधानसभा चुनाव जीतने के बाद 7 अगस्त, 2016 से 11 सितंबर, 2021 तक दो कार्यकाल के लिए गुजरात के सीएम रहे। वे वर्तमान में पंजाब के लिए भाजपा के प्रभारी थे।

दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स मिला, खुलेगी हादसे की परत

जयपुर टाइम्स

अहमदाबाद/एजेंसी। अहमदाबाद में दुर्घटना की शिकार हुई एअर इंडिया की उड़ान एआई 171 का ब्लैक बॉक्स मिल गया है। विमानन मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। मंत्रालय ने बताया कि ब्लैक बॉक्स को इमारत की छत से बरामद किया गया। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने हादसे के तुरंत बाद पूरी ताकत से जांच शुरू कर दी थी। राज्य सरकार के 40 से अधिक कर्मचारी भी मौके पर मौजूद विमानन मंत्रालय की टीमों के साथ मिलकर राहत और जांच कार्य में जुटे हुए हैं। मंत्रालय ने बताया कि डीएफडीआर को छत से बरामद किया गया है। इससे पहले, पुलिस और दमकल अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि इस ब्लैक बॉक्स का विश्लेषण हादसे की वजहों को समझने में अहम भूमिका निभाएगा। अहमदाबाद के दमकल अधिकारियों ने बताया कि मेटल कटर जैसे खास उपकरणों से लैस एक टीम को मेघाणीनगर इलाके में दुर्घटनास्थल पर भेजा गया था। यह इलाका हवाई अड्डे के पास स्थित है, जहां गुरुवार दोपहर बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। जहां पर काफी मशक्कत के बाद टीम ब्लैक बॉक्स को खोजने में सफल रही। पहले सूत्रों ने बताया कि जिस बी.जे. मेडिकल कॉलेज के छात्रावास पर विमान गिरा था, वहां के सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर पुलिस ने जब्त किया

गया। डीवीआर एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होता है, जो सीसीटीवी कैमरों की वीडियो रिकॉर्डिंग को सेव करता है। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें विमान का ब्लैक बॉक्स खोजने में मदद के लिए कहा गया था। दमकल विभाग के उप प्रमुख धूमित गांधी ने बताया था कि उनकी टीम ने फॉरेंसिक और विमानन विशेषज्ञों के साथ मिलकर ब्लैक बॉक्स ढूंढ़ने में मदद की। इस टीम मेटल कटर जैसे विशेष उपकरण थे। ब्लैक बॉक्स एक छोटा उपकरण होता है, जो विमान की उड़ान के दौरान की सारी जानकारी रिकॉर्ड करता है। यह किसी भी विमान दुर्घटना की जांच में अहम भूमिका निभाता है। यह विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था और इसमें 242 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। गुरुवार दोपहर 1 बजकर 39 मिनट पर सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद यह विमान मेघाणीनगर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

सीधी हवाई सेवाओं को बहाल करने की प्रक्रिया तेज करेंगे भारत-चीन, मजबूत होंगे द्विपक्षीय संबंध

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी.)।। विदेश सचिव विक्रम मिस्री और चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग के बीच गुरुवार को मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और इस बात पर सहमति जताई कि संबंधों को स्थिर और दोबारा मजबूत बनाने की दिशा में काम जारी रहेगा। इस बार लोगों से जुड़ी पहलों को प्राथमिकता दी जाएगी। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि बैठक में यह भी तय हुआ कि भारत और चीन के बीच सीधी हवाई सेवाओं को फिर से शुरू करने की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। इससे पहले, विदेश सचिव मिस्री ने इसी साल 27 जनवरी को बीजिंग में वेइदोंग से

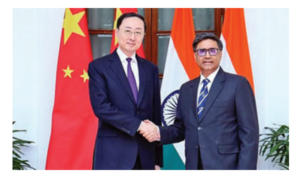

मुलाकात की थी। वेइदोंग 12-13 जून को भारत दौरे पर थे। बैठक में दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को बीजिंग में हुई पिछली बैठक के बाद द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और यह तय किया कि लोगों से जुड़े संपर्कों को प्राथमिकता देते हुए संबंधों को फिर से स्थिर और मजबूत किया जाएगा। मिस्री ने इस साल कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने में चीन के सहयोग के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने अप्रैल में सीमा पार नदियों पर सहयोग के लिए हुई विशेषज्ञ स्तर की बैठक का भी जिक्र किया

सहायक कृषि अधिकारी को एसीबी ने किया ट्रैप, मौके पर रिश्वत राशि के साथ किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

गोविंदगढ़ (निसं.)।राजस्थान में एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है. अलवर के गोविंदगढ़ में एसीबी की टीम ने शुक्रवार (13 जून) की शाम को किसान सेवा केंद्र नाम से संचालित खाद बीज की दुकान पर ट्रैप कार्रवाई की है. जिसमें एसीबी ने सहायक कृषि

अधिकारी को 3000 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है. एसपी महेंद्र मीणा ने बताया कि गोविंदगढ़ के सहायक कृषि अधिकारी अली हसन को 3000 रिश्वत राशि के साथ गिरफ्तार किया है. बताया जा रहा है कि आरोपी ने बीज का वेरिफिकेशन हजार रुपए की रिश्वत राशि लेकर पहले कर दिया था. खाद और दवाइयां का वेरिफिकेशन करने के लिए 5000 रुपए की रिश्वत राशि और मांगी थी. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी चौकी अलवर को एक शिकायत मिली थी कि परिवादी द्वारा उसकी पत्नी के नाम से खाद बीज और दवाईयों की दुकान की लाइसेंस थी. परिवादी द्वारा साल 2024 में इस खाद, बीज के कार्य के लिये कस्बा गोविन्दगढ में दुकान किराये पर लेकर काम शुरू किया गया. वहीं परिवादी द्वारा कृषि विभाग के पोर्टल पर खाद, बीज और दवाई के लाइसेंस का स्थान परिवर्तन के लिये 31 दिसंबर 2024 को ऑनलाइन आवेदन करने पर दुकान का कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा भौतिक निरीक्षण कर लाइसेंस में स्थान परिवर्तन किये जाने के लिये सहायक कृषि पर्यवेक्षक अली हसन 1000 रुपये की रिश्वत लेकर लाइसेंस में स्थान परिवर्तन कर दिया।

ईरान पर हमले के बाद इजरायली प्रधानमंत्री ने मोदी को दी हालात की जानकारी

जयपुर टाइम्स

तेल अवीव(एजेंसी.)।। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर हवाई हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की है। इस दौरान उन्होंने ताजा हालात की जानकारी दी और बताया कि इजरायल को यह कदम क्यों उठाना पड़ा। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि शुक्रवार को उनका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से बात करने की उम्मीद है। पीएम मोदी के अलावा नेतन्याहू ने जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से भी बात की है। नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि वैश्किव नेताओं ने ईरान के विनाश के खतरे से खुद का बचाव करने की इजरायल की जरूरत

के प्रति समझ दिखाई। भारत ने कहा कि वह ईरान और इजरायल के बीच हाल के घटनाक्रमों को लेकर बहुत चिंतित है और उभरते हालात पर 'बारीकी से नजर' रख रहा है। भारत ने दोनों देशों से किसी भी तरह के तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि क्षेत्र में सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतने, सुरक्षित रहने और स्थानीय सुरक्षा परामर्श का पालन करने की सलाह दी गई है।

भारत बोलाः दोनों हमारे दोस्त, बातचीत से हल करें विवाद

विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि हम ईरान और इजराइल के बीच हाल के घटनाक्रमों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। हम परमाणु स्थलों पर हमलों से संबंधित खबरों के साथ ही उभरती स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।" पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की पृष्ठभूमि में भारत ने 'दोनों पक्षों से किसी भी तरह के तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने' का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि तनाव कम करने के लिए कूटनीति और संवाद के मौजूदा माध्यमों का इस्तेमाल करना चाहिए। भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि वह दोनों देशों के साथ करीबी और मित्रवत संबंध' रखता है और तनाव कम करने के वास्ते 'हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार है। नेतन्याहू ने ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों और वरिष्ठ कमांडरों को निशाना बनाकर किए गए इजराइली हमले को एक बहुत ही सफल प्रारंभिक हमला बताया। नेतन्याहू ने कहा कि हमने एक बहुत ही सफल शुरुआती हमला किया है। ईश्वर की मदद से, हम और भी कई उपलब्धियां हासिल करने जा रहे हैं। इससे पहले नेतन्याहू ने कहा था कि इजराइल ने ईरान के परमाणु संवर्धन कार्यक्रम के केंद्र पर हमला किया है। नेतन्याहू ने दावा किया कि हमने ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम के केंद्र पर हमला किया है। हमने नतांज में ईरान की मुख्य संवर्धन सुविधा को निशाना बनाया है। हमने ईरानी (परमाणु) बम पर काम कर रहे ईरान के प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाया है। हमने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के केंद्र पर भी हमला किया है।" उन्होंने ईरानी परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को 'अस्तित्व के लिए खतरा' करार दिया।

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
14 जून, 2025

जिला कलक्टर ने सांख्यिकी विभाग की बैठक ली, योजनाओं की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। खैरथल-तिजारा में सांख्यिकी विभाग के कार्यालय का गठन होने के पश्चात पहली बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने की। यह बैठक विभाग की योजनाओं की समीक्षा और क्षेत्रीय कार्यों की प्रगति जानने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। बैठक में उपनिदेशक सांख्यिकी विभाग सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला कलेक्टर ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संग्रहण, कृषि सांख्यिकी, जनगणना, और रोजगार-से संबंधित आंकड़ों के संकलन की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सटीक आंकड़े नीति निर्माण की रीढ़ होते हैं, इसलिए आंकड़ों की गुणवत्ता, समयबद्धता और पारदर्शिता में कोई समझौता न किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी योजनाओं की रिपोर्ट समय पर उच्च अधिकारियों को भेजी जाए। इसके साथ ही उन्होंने यह सुझाव दिया कि विभाग डेटा डिजिटाइजेशन और मॉडर्न टूल्स के उपयोग को प्राथमिकता दे ताकि त्वरित और विश्वसनीय विश्लेषण संभव हो सके। बैठक के अंत में जिला कलेक्टर ने विभाग की टीम को उनकी वर्तमान प्रगति जानकारी ली और भविष्य के कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यशाला एवं शपथ कार्यक्रम हुआ आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा नशे की रोकथाम हेतु जनजागरूकता एवं समाज को नशा मुक्त बनाने जिले में चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शुक्रवार को ब्रह्म कुमारी सेवा संस्थान में कार्यशाला एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला सेशन न्यायाधीश मोहनलाल सोनी एवं सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के उप निदेशक लक्ष्मण सिंह उपस्थित लोगाों को अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि यह अभियान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार 26 जून तक संचालित किया गया है जिसका लक्ष्य नशे के विरूद्ध जनजागरूकता लाना व समाज को नशा मुक्त बनाना है। इस दौरान विभाग के वरिष्ठ सहायक हेमन्त शर्मा एवं ब्रह्मकुमारी सेवा संस्थान के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

हेतमसर में पौधरोपण कार्यक्रम, प्रतिभाओं का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय हेतमसर में शुक्रवार को अतिथियों की ओर से पौधरोपण किया। उल्लेखनीय है कि हेतमसर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक लाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह के अवसर पर पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा की ओर से मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंडावा अशोक शर्मा, हेतससर ग्राम पंचायत के सरपंच खुशबू, संस्था प्रधान सुमन शेखसरीय, ब्लॉक मुख्य शिक्षा के आलोक कौशिक, हिन्दुस्तान स्काउट गाइड के प्रदीप ईश्वरवाल, शंकरलाल सेवदा,जगदीश बुडानिया, मनफूल मिल,शीशपाल मिल,नरेंद्र बुडानिया के हाथों पर्यावरण को सुरक्षित बनाने के लिए पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर संस्था प्रधान स्कूल स्टॉफ सहित पेड़ की देखभाल व परवीस की जिम्मेदारी ली।

दहेज के लिए विवाहिता को घर से निकाला

रतनगढ़(निस)। दहेज में कार व पांच लाख रुपए नहीं देने पर 25 वर्षीय विवाहिता को मारपीट कर उसके ससुरालपक्ष के लोगों ने घर से निकाल दिया। इस आशय का मुकदमा शुक्रवार को पुलिस में न्यायालय से मिले परिवाद के आधार पर दर्ज हुआ है। पुलिस ने इस्तगाशे के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि जयपुर निवासी 25 वर्षीय विवाहिता की ओर से दायर इस्तगाशे में उल्लेख किया गया है कि चार दिसंबर 2022 को उसकी शादी रतनगढ़ स्थित उनके निवास पर लोहा निवासी युवक के साथ हुई थी। उसका पति महाराष्ट्र के औरंगाबाद स्थित एक कंपनी में काम करता है। शादी में दिए गए दहेज से पति सहित ससुरालपक्ष के लोग संतुष्ट नहीं हुए और दहेज के कार, पांच लाख रुपए नकदी, सोने की चैन व अंगुठियां देने की मांग करने लगे।

जगन्नाथ जी के मेले की तैयारी बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर ने मिनी सचिवालय के सभागार में 23 जून से 10 जुलाई तक आयोजित होने वाले श्री जगन्नाथ जी महाराज के मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर महावर ने कहा कि श्री जगन्नाथ जी महाराज की रथ यात्रा 4 जुलाई को सांय 6 बजे सुभाष चौक से रूपबास के लिए प्रस्थान करेगी अतः संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को श्री जगन्नाथ जी महाराज मेले के अवसर पर कानून एवं यातायात व्यवस्था बनाये रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मेला आयोजन से पूर्व विभागीय अधिकारियों की संयुक्त टीम के द्वारा आयोजन स्थल व रथ यात्रा रूट आदि के लिए व्यवस्थाओं का दौरा करेंगे। उन्होंने नगर निगम, विद्युत विभाग, पुलिस, बीएसएनएल के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संयुक्त टीम द्वारा रथ यात्रा के निर्धारित मार्ग में अतिक्रमण व आ रहे केबल तारों का चिन्हिकरण कर तुरंत हटवाऐं। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला रसद अधिकारी को निर्देश दिये कि मेला अवधि के दौरान संयुक्त टीम का गठन कर खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता का ध्यान रखे तथा मेला स्थल पर चिकित्सा दल की ड्यूटी लगाये। उन्होने आरयूआईडीपी, सार्वजनिक निर्माण विभाग व नगर विकास न्यास के अधीशाषी अभियंताओं को निर्देश दिए कि रथ यात्रा मार्ग पर सडक की मरम्मत से संबंधित कार्यो को शीघ्रता से पूर्ण करायें। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि वे रोड लाईट, मेला स्थल पर साफ सफाई, पेयजल व्यवस्था, मेला स्थल पर अस्थाई शौचालय, रोशनी, पार्किंग व्यवस्था, दुकानों का आवंटन, फर्नीचर, माईक आदि की व्यवस्था शीघ्र सम्पन्न करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि मेला स्थल पर बरसाती पानी की निकासी हेतु मड पम्प आदि की व्यवस्था रखे। साथ ही निर्देश दिये कि मेले में लगने वाले झूलों की सुरक्षा संबंधी जांच पूर्व में सुनिश्चित करे। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को मेला अवधि में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने व ढीले तारों को ऊँचा कसवाने, मेला स्थल पर कनिष्ठ अभियन्ता व लाईन मैन की ड्यूटी लगाने, आदि व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि रथ यात्रा और मेला स्थल पर एक एम्बुलेंस मय चिकित्सकीय दल व आवश्यक दवाइयों के साथ मौजूद रहें। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि मेला स्थल व रथ यात्रा के समय स्काउट दल की सेवाऐं सुनिश्चित करें। उन्होंने रोडवेज के महाप्रबंधक को निर्देश दिये कि मेला आयोजन के प्रमुख दिवसों पर यातायात पुलिस से समन्वय कर डाइवर्ट करे। उन्होंने पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक को मेला स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय डॉ तेजपाल सिंह, एसडीएम अलवर यशार्थ शेखर, डीटीओ प्रवर्तन सविता भारद्वाज, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. महेश बैरवा, जयपुर डिस्कॉम के अधिशाषी अभियन्ता महेश देसवाल, तहसीलदार रश्मि शर्मा सहित संबंधित अधिकारी व जगन्नाथ मंदिर के महन्त पं. धर्मेन्द्र शर्मा, मेला कमेटी के अध्यक्ष पं. राजेन्द्र शर्मा उपस्थित थे।

हेल्प ऑल फाउंडेशन की एक नई पहल

'अन्न मित्र अभियान' का शुभारंभ, अब जरूरतमंदों को दिन में भी मिलेगा भोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। हेल्प ऑल फाउंडेशन के लगातार 273 दिनों से जारी शाम के भोजन वितरण कार्यक्रम में अब एक नई कडी जुड़ गई है। संस्था ने अपनी एक नई पहल 'अन्न मित्र अभियान' की शुरुआत की है, जिसमें अब जरूरतमंद लोगों को शाम के समय के अलावा दिन में भी भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, 'हेल्प ऑल फाउंडेशन का यह कार्य समाज के प्रति एक सच्ची सेवा भावना का परिचायक है।' संस्था अब तक करीब एक लाख लोगों को भोजन करवा चुकी है और इसके साथ ही बीमार पशुओं के इलाज हेतु दवाइयाँ भी उपलब्ध करवा रही है। भोजन वितरण कार्यक्रम नियमित रूप से 'पुराना सूचना केंद्र' के पास आयोजित किया जाता है, जहाँ बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को गरम भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों में चंद्रप्रकाश, मुकेश कुमार, विजय यादव, रोहित पारीक, राजेंद्र सैनी, युवराज विकास अग्रवाल, लक्ष्मी, मनीष सैनी, राजन छाबड़ा, अजय प्रधान, संजय टांक, गरिमा, दीपक, भीष्म, विशाल, हर्षिता, रूपेश कुमार, नमन, जतिन महेंद्र, छवि जायसवाल आदि का महत्वपूर्ण सेवा सहयोग रहा।

अन्न मित्र अभियान का उद्देश्य

अन्न मित्र अभियान का उद्देश्य है कि उन लोगों तक भोजन पहुंचाएं जो दिन में भूखे रह जाते हैं और जिन तक मदद कम पहुँच पाती है। हेल्प ऑल फाउंडेशन का यह कदम समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक बड़ी पहल है। संस्था ने सभी समाजसेवियों और नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस अभियान से जुड़कर ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों तक मदद पहुँचाने में सहयोग करें।

वन राज्यमंत्री की अनुशषा पर अलवर शहर विधानसभा क्षेत्र में 11करोड़ 20 लाख रूपये राशि की सड़के हुई स्वीकृत

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। वन पर्यावरण जलवायु परिवर्तन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग राजस्थान सरकार के मंत्री संजय शर्मा की अनुशंषा पर सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा नॉन पेचेबल व मिसिंग लिक सड़को के निर्माण योजना के तहत अलवर शहर में सडको के निर्माण हेतु 11 करोड़ 20 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है। उक्त स्वीकृत सड़को के अन्तर्गत प्रतापबंद से माँच का तिराहा तक राशि 1करोड़ 20 लाख, पपड़ का कुआं होते हुए पंचायत भवन तक सड़क निर्माण भूगोर राशि 1 करोड़ 60 लाख, गांव पालका बेलाका में सड़क निर्माण कार्य राशि 80 लाख, राजकीय सामान्य चिकित्सालय, महिला चिकित्सालय एवं शिशु चिकित्सालय की आंतरिक सड़कों का निर्माण कार्य राशि 1 करोड़ 40 लाख, राजकीय बाबू शोभाराम कला महाविद्यालय आर्ट्स कॉलेज में सड़क निर्माण कार्य राशि 35 लाख, राजकीय बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय, भवानी तोप में सड़क निर्माण कार्य राशि 45 लाख, नए भूरा सिद्ध हनुमानजी मन्दिर मेन रोड से शिव वाटिका मैरिज होम तक सड़क निर्माण कार्य राशि 1 करोड 50 लाख, काला कुआं एवं विवेकानंद नगर की आंतरिक सड़कों का निर्माण कार्य राशि 1 करोड 50 लाख, राज ऋषि महाविद्यालय अलवर की आंतरिक सड़कों का निर्माण कार्य राशि 30 लाख, इटाराणा पुलिया से अलकापुरी मोड तक एवं बस स्टैंड के सामने तक सड़क निर्माण कार्य राशि 25 लाख, केंडल गंज में चौक का निर्माण कार्य राशि 45 लाख विवेकानंद तिराहे से जैन मंदिर तक सड़क निर्माण कार्य राशि 35 लाख, मोती डूंगरी सर्किल से भवानी तोप तक सड़क निर्माण कार्य राशि 1 करोड़ 5 लाख से सडकों का निर्माण कराया जाएगा, आमजन के हितों को ध्यान रखते हुए प्राथमिकता के आधार पर उक्त सड़कों की शीघ्र स्वीकृति देने पर वन मंत्री संजय शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव व सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी का आभार व्यक्त किया है, उक्त सड़कों के निर्माण हेतु निविदाएं आमंत्रित करने संबंधी कार्रवाई शुरू कर दी गई है, उक्त सभी सड़कों का निर्माण सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा कराया जाएगा।

वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान

जल संरक्षण एवं संचयन में आमजन की भागीदारी की महत्वता

जल संरक्षण की मुहिम में जन- जागरूकता हेतु मीडिया कर्मियों की महत्ती भूमिका

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जल संरक्षण व संचयन तथा भूजल स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत आज सूचना केंद्र (पीआरओ कार्यालय) में मीडिया राउंड टेबल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में आमजन की सहभागिता एवं जुडाव बढाने पर सभी वक्ताओं में बल दिया। मीडिया राउंड टेबल कार्यक्रम में जिला परिषद के अधिशासी अभियंता नरेगा नरेंद्र सिंह लाखीवाल ने बताया कि जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी की आवश्यकता के मद्देनजर राज्य सरकार ने वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान संचालित किया है। इस अभियान के तहत केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित अभियान में परंपरागत जल संरक्षण संरचनाओं जैसे टांके, बावड़ी, जोहड, कुएं व तालाब इत्यादि के जीर्णोद्धार एवं साफ-सफाई कार्य किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा वर्तमान में प्रचलित रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, अमृत सरोवर, मैजिक पिट, सोख्ता गड्ढा, रिचार्ज सॉफ्ट इत्यादि का सरकार द्वारा निर्माण कर जल संरक्षण एवं संचयन का कार्य किया जा रहा है, इसके अतिरिक्त आमजन व स्वयं सेवी संस्थाओं की भागीदारी से भी जल संरक्षण हेतु संरचनाएं निर्मित की जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री जल स्वालंबन अभियान 2.0 के तहत वर्षभर निरंतर जल संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की जल एवं पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम को आमजन तक पहुंचाने एवं उनकी भागीदारी बढाने के लिए मीडिया कर्मियों के सहयोग की महत्ती आवश्यकता है। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक मनोज मेहरा ने कहा कि जिले के मीडिया कर्मियों की अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार में सकारात्मक भूमिका रही है, इसके माध्यम से आमजन की अभियान में सहभागिता लगातार बढ़ रही है। इस दौरान मीडिया कर्मियों ने भी जल संरक्षण एवं संचयन के लिए अपने अनुभव एवं सकारात्मक सुझाव साझा किए। मीडिया कर्मियों ने अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार में सहयोग हेतु सकारात्मक सहमति व्यक्त की। जिले के बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी मौजूद रहे।

जल संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम

खैरथल-तिजारा में आयोजित होगी जिला स्तरीय सीएसआर कार्यशाला आज

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से प्रदेशभर में 05 जून से 20 जून 2025 तक "वंदे गंगा जल संरक्षण जन-अभियान" संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, जन-जागरूकता तथा सामूहिक सहभागिता के माध्यम से जल स्वावलंबन की दिशा में ठोस पहल करना है। इसी क्रम में राज्य सरकार से प्राप्त निर्देशों की अनुपालना में दिनांक 14 जून 2025 (शनिवार) को दोपहर 3.00 बजे रिको गेस्ट हाउस, भिवाड़ी में जिला स्तरीय सीएसआर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला कलेक्टर, खैरथल-तिजारा किशोर कुमार द्वारा की जाएगी। कार्यशाला में जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 की विस्तृत जानकारी पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से साझा की जाएगी। इस दौरान विभिन्न उद्यमियों, कॉरपोरेट प्रतिनिधियों, रीको लिमिटेड तथा उद्योग संघों को गैप फंडिंग के माध्यम से जल संरक्षण कार्यों में सहभागी बनने हेतु प्रेरित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी उद्योग संघों एवं उद्यमियों से इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी करने का आग्रह किया है ताकि वे राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना की जानकारी लेकर जल संरक्षण जैसे पुण्य कार्य में भागीदार बन सकें।

जिला कलक्टर ने शहर में जल संरक्षण संरचनाओं के कार्यों का किया निरीक्षण

नगर निगम द्वारा प्रस्तावित एनीकट निर्माण कार्य को गति देने तथा सिलीसेढ झील के ओवर फ्लो पॉइंट से जयसमंद बांध तक नाले की खुदाई करने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अलवर शहर में नगर निगम द्वारा जल संरक्षण हेतु प्रस्तावित नये बांध क्षेत्र प्रतापबंध के पास के क्षेत्र में तथा भूरासिद्ध क्षेत्र में प्रस्तावित एनीकट निर्माण स्थल एवं नगर विकास न्यास द्वारा विकसित किए जा रहे खुदनपुरी जोहड एवं सिलीसेढ झील के आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि वन विभाग से समन्वय स्थापित कर प्रस्तावित एनीकट के निर्माण कार्यों के लिए तकनीकी प्रस्ताव तैयार करने तथा निविदा प्राप्ति हेतु आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य यथाशीघ्र प्रारम्भ करें। उन्होंने कहा कि नवीन एनीकट बनने से अलवर शहर के एक दर्जन से अधिक वार्डों के भूजल स्तर में वृद्धि होगी। इससे पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा तथा पशु-पक्षियों के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। उन्होंने नगर विकास न्यास के समन्वय से गुजरात के पारीक फाउंडेशन के सहयोग से खुदनपुरी जोहड में की जा रही खुदाई व सौन्दर्यकरण कार्य का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि जोहड की पाल के पास पार्क विकसित करें, ताकि आसपास के लोग यहां घूम सके। उन्होंने सिलीसेढ झील के ओवर फ्लो पॉइंट (उपरा) क्षेत्र का निरीक्षण कर नगर विकास न्यास के अधिशाषी अभियन्ता को निर्देश दिये कि ओवर फ्लो पॉइंट से सिलीसेढ तिराहे से आगे जयसमंद बांध में जाने वाले नाले की खुदाई कार्य का प्रस्ताव बनाकर यथाशीघ्र कार्य प्रारम्भ करें, ताकि झील के ओवर फ्लो का पानी अंयत्र स्थानों पर फैलने की जगह जयसमंद बांध में जा सके।

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान में सामूहिक भागीदारी निभाने का किया आह्वान

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जल संरचनाओं के निर्माण एवं जीर्णोद्धार आदि के उद्देश्य से चलाए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले भर में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इन गतिविधियों में आमजन अपनी सक्रिय भागीदारी कर जल एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में अपनी महती भूमिका अदा करें। इस दौरान नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, नगर विकास न्यास के अधिशाषी अभियन्ता अशोक मदान, नगर निगम के अधिशाषी अभियन्ता खेमराज मीणा, सहायक अभियन्ता मुकेश तिवाडी व कनिष्ठ अभियन्ता कृति विजय एवं नगर विकास न्यास के कनिष्ठ अभियन्ता प्रवीण मीणा मौजूद रहे।

जयपुर टाइम्स
जयपुर, शनिवार
14 जून, 2025

धारा 55 एवं 57 के प्रकरणों की जांच समय पर पूरी करें - मंजू राजपाल

लापरवाह अधिकारियों को नोटिस, नये मामलों में 3 माह की समयसीमा तय

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार मंजू राजपाल ने शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम-2001 की धारा 55 व 57 के तहत लम्बित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जांच कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कर परिणाम प्रस्तुत करें, अन्यथा लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राजपाल ने कहा कि पुराने मामलों में देरी करने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बार-बार नोटिस देने की परंपरा छोड़कर शीघ्र निस्तारण पर ध्यान दिया जाए। साथ ही, जांच पूरी होने के तुरंत बाद रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितताओं से आमजन का विश्वास कमजोर होता है, इसलिए अधिकारी पूर्ण ईमानदारी व पारदर्शिता से जांच करें। नए प्रकरणों को मुख्यालय द्वारा निर्धारित तीन माह की अवधि में अनिवार्य रूप से निपटाया जाए। न्यायालय में लंबित मामलों के शीघ्र निपटान के प्रयास भी तेज करने को कहा गया। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2024-25 में कुल 869 प्रकरणों का निस्तारण किया गया, जबकि 2025-26 में 31 मई तक 94 प्रकरण निपटाए जा चुके हैं। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर और भरतपुर खण्डों की प्रगति संतोषजनक रही। जुलाई में इन खण्डों की फिर से समीक्षा की जाएगी। बैठक में शिल्पी पांडे, अजय उपाध्याय व शिरीष चांदे सहित विभिन्न खण्डों के अधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना को लेकर किसानों में उत्साह

जयपुर जिले में 91 किसानों ने जमा करवाई राशि, 66 को मिला लाभ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना 2025-26 को लेकर जयपुर जिले के किसानों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा सहकारी भूमि विकास बैंकों के अवधिपार ऋणी सदस्यों को राहत देने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना के तहत अब तक जिले के 91 किसानों ने 150.26 लाख रुपये की राशि जमा करवाई है। इनमें से 66 किसानों को राज्य सरकार द्वारा 154.50 लाख रुपये की ब्याज राहत दी जा चुकी है। जयपुर प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक की सचिव रजनी गुप्ता ने बताया कि योजना से लाभान्वित किसान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि योजना का अधिकतम लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है तथा पात्र ऋणी सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से जानकारी देकर योजना से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। श्रीमती गुप्ता ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस योजना के लिए 200 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों को अपने हिस्से की देय राशि की 25 प्रतिशत राशि 30 जून, 2025 तक जमा कराना आवश्यक है। यह योजना उन किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है जो समय पर ऋण नहीं चुका पाए थे और ब्याज के बोझ तले दबे हुए थे। योजना से किसानों को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही सहकारी संस्थाओं में विश्वास भी मजबूत हुआ है।

रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना का तृतीय चरण 16 जून से, 6806 भूखण्ड होंगे उपलब्ध

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना के तृतीय चरण की शुरुआत 16 जून से होगी। राइजिंग राजस्थान इनवेस्टमेंट समिट-2024 के अंतर्गत राज्य सरकार के साथ 30 अप्रैल तक एमओयू करने वाले निवेशक 16 से 27 जून तक ऑनलाइन ईएमडी जमा करा सकेंगे। इस चरण की ई-लॉटरी 2 जुलाई को निकाली जाएगी। तृतीय चरण में 97 औद्योगिक क्षेत्रों में कुल 6806 भूखण्ड शामिल हैं। इनमें से अनुसूचित जाति व जनजाति के लिए 237, महिलाओं के लिए 206, भूतपूर्व सैनिकों के लिए 117, दिव्यांगों के लिए 147 और सशस्त्र बलों के मृतक आश्रितों के लिए 62 भूखण्ड आरक्षित हैं। शेष 6037 भूखण्ड अनारक्षित रहेंगे। इससे पूर्व, मार्च में प्रारंभ प्रथम चरण में 87 भूखण्डों का आवंटन हुआ। द्वितीय चरण में 7100 भूखण्डों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिनमें से 329 भूखण्डों के लिए 464 निवेशकों ने आवेदन किया। इनमें से 321 भूखण्डों पर आवंटन की प्रक्रिया जारी है, जिनसे राज्य में लगभग 1800 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है। उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने बताया कि 11-12 दिसंबर को प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव में गत एमओयू की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि योजना के पिछले चरणों में निवेशकों की अच्छी भागीदारी रही और तृतीय चरण उनके लिए एक और अवसर है। विस्तृत जानकारी के लिए riico.rajasthan.gov.in पर विजिट करें।

गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान क्रेश हादसे पर राज्यपाल की शोक संवेदना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान क्रेश हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है।

चोरी की मोटरसाइकल के साथ एक आरोपित गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। जिले के राजाखेड़ा थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक आरोपित को बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया है। राजाखेड़ा थानाधिकारी रामकिशन यादव ने बताया कि हेड कांस्टेबल विजय सिंह के साथ पुलिस जाप्ता द्वारा नाकाबंदी की जा रही थी। तभी एक मोटरसाईकिल अपाची को रुकवाया गया और चालक का नाम पता पूछा तो चालक ने अपना नाम पवन कुमार पुत्र टुण्डाराम ठाकुर निवासी गांव अम्बरपुर होना वताया गया। आरोपित पवन कुमार से मोटरसाईकिल नम्बर यूपी 80 सीएफ 2672 के कागजात मांगे तो उक्त मोटरसाईकिल की आरसी पेश की जिसका अवलोकन किया गया तो आरसी में मोटरसाईकिल की रजिस्ट्रेशन दिनांक 10 सितम्बर वर्ष 2012 तथा रंग पीला होना पाया गया जबकि मोटरसाईकिल लगभग दो साल पुरानी है। मोटरसाईकिल के ईजन नम्बर व चैसिस नम्बर का अवलोकन किया गया तो इंजन नम्बर प्रथक से अलग से गुदे हुऐ व टैम्परिंग किये हुये थे। घटना के बाद मामला दर्ज किया गया।

प्रोजेक्ट बालवर्धन का शुभारंभ, समन्वित प्रयासों से बाल कल्याण एवं पोषण सेवाओं को मिलेगा नया आयाम

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। जिले में बाल विकास, स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं को समग्र रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट बालवर्धन की शुरुआत जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में बैठक की गई। वेदांता के नंद घर और जीएसआई आर एंड टी इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से प्रारंभ की गई यह परियोजना, जिले के बच्चों और महिलाओं के समग्र विकास की दिशा में एक ठोस कदम है। जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी ने परियोजना के सफल प्रारंभ और मात्र एक माह के भीतर जिला व ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सहित ज़मीनी टीम के गठन की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन परियोजना के सुचारू संचालन और प्रभावी क्रियान्वयन हेतु हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने इस पहल को एक सशक्त अभिसरण मॉडल के रूप में देखा, जिसमें बहुविभागीय समन्वय के साथ स्थानीय सहभागिता भी सुनिश्चित की जा रही है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी नंद घरों में पोषण वाटिकाओं का विकास किया जाएगा, जिसमें विभागीय वित्तपोषण और मनरेगा का सहयोग लिया जाएगा। आईसीडीएस स्टाफ का प्रशिक्षण सेक्टर और ब्लॉक स्तर पर कराया जाएगा, जिसमें टेक होम राशन प्रबंधन, खाद्य सुरक्षा और निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। टेक होम राशन के प्रचार के लिए रेसिपी डेमो, फोर्टिफिकेशन और न्यूट्रिशन बार का वितरण भी प्रस्तावित किया गया है। प्रोजेक्ट बालवर्धन को अब जिला और ब्लॉक स्तरीय कन्वर्जेंस बैठकों के स्थायी एजेंडा में सम्मिलित किया जाएगा, जिससे इसके उद्देश्यों और प्रगति की सतत समीक्षा संभव हो सके। ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों को सुदृढ़ किया जाएगा ताकि स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी योजनाओं के लिए उपलब्ध अप्रतिबंधित निधि का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। इसके साथ ही एक मानकीकृत चेकलिस्ट के माध्यम से सपोर्टिव सुपरविजन की प्रक्रिया को संस्थागत रूप से लागू किया जाएगा और इसकी रिपोर्ट प्रत्येक समीक्षा बैठक में प्रस्तुत की जाएगी। आईसीडीएस द्वारा पोषण ट्रैकर डेटा साझा करने और ग्रोथ मॉनिटरिंग को संयुक्त रूप से लागू करने पर भी सहमति बनी। इसके अलावा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण में भी सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा, जिसमें मेंटॉर टीचर, ईसीसीई डिलीवरी और स्कूलों में बुनियादी ढांचे के समुचित उपयोग पर विशेष ध्यान होगा। बैठक के समापन पर जिला कलेक्टर ने प्रोजेक्ट बालवर्धन के तहत अब तक किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल जिले के बच्चों और माताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है। उन्होंने इस साझेदारी भावना की सराहना की और आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन इस परियोजना की सफलता के लिए निरंतर समर्थन प्रदान करता रहेगा। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद आव्हाद निवृत्ती सोमनाथ, उप निदेशक आईसीडीएस धीरेंद्र सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्म सिंह मीना, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेश कुमार मंगल शामिल रहे। नंद घर से प्रमुख, इम्पैक्ट वर्टिकल्स रोहिणी सारन, प्रमुख संचालन प्रियंका शर्मा तथा जेएसआई आरएण्डटी इंडिया फाउंडेशन से निदेशक नीरज अग्रवाल ने परियोजना की रणनीति और क्रियान्वयन योजना पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

जयपुर में जल संरक्षण एवं भू-जल स्तर बढ़ाने के हर संभव प्रयास हों सुनिश्चित

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिये निर्देश

शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के दिये निर्देश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का जयपुर जिले में प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिला कलक्टर ने अभियान की प्रगति एवं आगामी कार्य योजना की समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा आमजन को जोड़ने एवं जन जागरुकता बढ़ाने के निर्देश दिये। साथ ही, उन्होंने अधिकरियों को जल संरचनाओं की साफ-सफाई, पुनरुद्धार के द्वारा जिले में भू जल स्तर बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में जिला कलक्टर ने वन विभाग के अधिकारियों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं हरियालो राजस्थान अभियान के ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने एवं जिले में वनावरण बढ़ाने के कदम उठाने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को अभियान के तहत जन जागरुकता रैलियों के आयोजन, जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं मरम्मत करवाने, पक्षियों के लिये परिंडे लगवाने, आमजन को जल सरंक्षण के लिए प्रेरित करते हुए शपथ दिलवाने, नवीन जल संरचनाओं के निर्माण के निर्देश दिये। बैठक में जयपुर नगर निगम जयपुर ग्रेटर आयुक्त रुक्मणी रियार, नगर निगम जयपुर हैरिटेज आयुक्त अरुण कुमार हसीजा, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा, उपवन संरक्षक वी. केतन कुमार, अतिरिक्ति मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहाड़िया, पुलिस विभाग, वन, उद्योग विभाग, शिक्षा विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, भू जल विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, जल संसाधन विभाग, राजीविका, पंचायती राज विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, देवस्थान विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

अहमदाबाद विमान हादसे पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की संवेदना, डाबी में शहीद नानक जी भील को दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

डाबी (बूंदी) लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को बूंदी जिले के डाबी कस्बे में अमर शहीद नानक जी भील के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में उन्होंने अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना पर गहरी संवेदना प्रकट की और दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बिरला ने कहा कि अहमदाबाद की यह भीषण दुर्घटना पूरे देश को भीतर तक झकझोर देने वाली है। इस हादसे में जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। इस हादसे से न केवल देश के विभिन्न हिस्सों, बल्कि विदेशी नागरिक भी प्रभावित हुए हैं। संकट की इस घड़ी में पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है। अपने उद्बोधन में बिरला ने शहीद नानक जी भील के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे जनजागरण के प्रतीक थे। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उन्होंने लोककलाओं और गीतों के माध्यम से आदिवासी समाज को संगठित कर संघर्ष के लिए प्रेरित किया। उनका बलिदान स्थल हम सभी के लिए प्रेरणा का केंद्र है। बिरला ने कहा कि आदिवासी समाज की पीड़ा को दूर करना हमारी प्राथमिकता है। जल जीवन मिशन के तहत अगले दो वर्षों में हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाया जाएगा। साथ ही, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं भी इस क्षेत्र में तेजी से विकसित की जाएंगी, ताकि समाज की समग्र उन्नति सुनिश्चित की जा सके।

बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए, छीजत कम करने पर जयपुर डिस्कॉम का फोकस

सर्वाधिक छीजत वाले 18 सब डिविजनों में विद्युत तंत्र को मजबूत करने का प्लान

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा के निर्देश पर जयपुर विद्युत वितरण निगम ने सर्वाधिक वितरण एवं वाणिज्यिक हानियों (एटी एंड सी लॉसेज) वाले 18 सब डिविजनों में विद्युत तंत्र को मजबूत कर बिजली की छीजत रोकने पर फोकस किया है। इसके तहत इन सभी सब डिविजनों के सहायक अभियंताओं के साथ डोगरा ने विद्युत भवन में शुक्रवार को चर्चा की। इस दौरान चेयरमैन डिस्कॉम्स ने सहायक अभियंताओं से उनके क्षेत्र में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने तथा लॉसेज कम करने का प्लान मांगा और विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। सुश्री डोगरा ने कहा कि जयपुर डिस्कॉम के उन सब डिविजनों को चिन्हित किया गया है, जहां डिस्ट्रिब्यूशन हानियां 30 प्रतिशत से अधिक हैं। इन सभी हाई लॉस वाले सब डिविजनों की प्रतिमाह उच्च स्तरीय समीक्षा होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियंता योजनाबद्ध रूप से लॉसेज को दूर करने के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करें, जिससे कि आम उपभोक्ता को डिस्कॉम द्वारा गुणवत्ता युक्त बिजली आपूर्ति एवं बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें। संबंधित जोनल मुख्य अभियंता तथा अधीक्षण अभियंता भी इस बैठक से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े। ओवरलोड फीडर का विभाजन कर नए फीडर तैयार करना कटी हुई तथा क्षतिग्रस्त अवैध सर्विस लाइनें बदलना डिफेक्टिव मीटर बदलना विद्युत चोरी रोकने के प्रभावी प्रयास नए जीएसएस के प्रस्ताव जहां अधिक चोरी हो रही है, वहां एबी केबल डालना अवैध ट्रांसफार्मरों को जब्त करना आदि

2036 ओलंपिक में सर्वाधिक पहलवान राजस्थान से भेजने का लक्ष्य - राजीव दत्ता

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष राजीव दत्ता ने आज जोधपुर में आयोजित अंडर-15 राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 11-12 जून के उद्घाटन अवसर पर कहा कि संघ का दीर्घकालिक लक्ष्य है कि 2036 ओलंपिक खेलों में भारत की ओर से सर्वाधिक पहलवान राजस्थान से हों। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दिशा में कार्य कर रहा है और उसी के अनुरूप राजस्थान कुश्ती संघ भी प्रदेश में कुश्ती को नई ऊँचाई देने हेतु समर्पित प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान जब कुछ दिव्यांग विद्यार्थी राजीव दत्ता का स्वागत करने मंच की ओर बढ़े, तो दत्ता ने मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए स्वयं मंच से नीचे उतर कर उनका स्वागत किया।वे दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ नीचे बैठ गए और उन्हें माला पहनाकर उनका हौसला बढ़ाया। इस भावुक क्षण ने पूरा सभागार तालियों से गूंजा दिया, और सभी दर्शकों ने इस मानवीय संवेदना के लिए दत्ता की प्रशंसा की।

बदल रही तस्वीर, रंग ला रहा बूंद-बूंद बचाने का संकल्प

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान बना जन-जन का अभियान

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर जयपुर जिले में वंदे गंगा जल संरक्षण जल अभियान के जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में अभियान के तहत हर उपखंड में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले में विभिन्न विभागों द्वारा जन सहभागिता से जल संरक्षण को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जल संसाधन विभाग, जयपुर द्वारा जिले के समस्त छोटे-बड़े बाँधों पर 'कैच द रेन' अभियान के तहत जल उपभोक्ता समूहों की सहभागिता से जल संचय कार्यक्रम, नवीन पूर्ण कार्यों का लोकार्पण तथा नहरों एवं खालों की सफाई जैसे कार्य संपन्न कराए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त शुक्रवार को विभाग द्वारा नांगल भील, पाटलावास, बड़ोदिया मीणा एवं मोरिया ग्रामों में श्रद्धांजलि सभा एवं रैली आयोजित की गई, जिसमें अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों की भागीदारी रही। उक्त कार्यक्रमों में वंदे गंगा एप पर प्रविष्टि भी की गइं। जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा भी व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की गईं। कोटखावद ब्लॉक में ओएचएसआर एवं सीडब्ल्यूआर की सफाई, कार्यालय परिसरों की सफाई तथा वाटर टेस्टिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सहायक अभियंता शिवचरण मीणा, कनिष्ठ अभियंता अमर सिंह मीणा, स्थानीय स्टाफ एवं जन समुदाय की सहभागिता रही। इसी क्रम में विभाग द्वारा पंचायत समिति जोबनेर की ग्राम पंचायतें बसी -नागान, धानू नागान, हिंगोनिया, धानी, बोराज, भियासावा, कालवाड़, भांबरी एवं लालपुर में भी ओएचएसआर एवं सीडब्ल्यूआर की सफाई का कार्य संपन्न कराया गया। इस दौरान नायब तहसीलदार गोपाल जी, सहायक अभियंता स्वामी जी, अन्य तकनीकी स्टाफ एवं स्थानीय जन समुदाय की सक्रिय भागीदारी रही। भूजल विभाग द्वारा शाहपुरा की नवालपुरा ग्राम पंचायत में स्थित रिचार्ज शाफ्ट पर कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर जल शपथ, भूमिपूजन, लोकार्पण, नर्सरी निर्माण, तथा पौधारोपण कार्य संपन्न हुए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि उपेन यादव, सरपंच सीता देवी, भूजल वैज्ञानिक मलिंदर चौहान, स्थानीय विभागीय अधिकारी, नरेगा कर्मचारी तथा स्थानीय जन समुदाय की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य जनसामान्य को जल स्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण और पुनर्भरण के महत्व से जोड़ते हुए एक जन आंदोलन की भावना का विकास करना है।

रक्तदान महादानः किसी अन्य की रगों में जीवित रहते हुए उसे जीवनदान देने का जरिया है रक्तदान

स्वस्थ लोगों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित करने, इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने, रक्तदान करने वाले लोगों में आत्मसम्मान भावना को जगाने व उन्हें धन्यवाद देने के उद्देश्य से इस दिवस का खास महत्व है। रक्तदान को नेक और निस्वार्थ कार्य के रूप में देखा जाता है। एक व्यक्ति के रक्तदान से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। हालांकि, आज भी कई ऐसे लोग मिल जाते हैं, जो दर्द, खून की कमी और सूई के डर के साथ ही अपनी अलग ही मान्यताओं व रिति-रिवाजों के कारण रक्तदान में संकोच करते हैं। स्वस्थ वयस्कों के लिए रक्तदान बिल्कुल सुरक्षित कार्य है एक स्वस्थ इंसान 90 दिन के अंतराल के पश्चात पुनः रक्तदान कर सकता है रक्तदान से किसी भी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं आती भारत में कुल रक्तदान का केवल 59 फीसदी रक्तदान स्वेच्छिक होता है। तीन महीनों की समय अवधि के बाद रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान करने की अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष है।

हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस मनाया जाता है विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इस दिन को रक्तदान दिवस के रूप में घोषित किया गया है। वर्ष 2004 में स्थापित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षित रक्त रक्त उत्पादों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना और रक्तदाताओं के सुरक्षित जीवन रक्षक रक्त के दान करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते हुए आभार व्यक्त करना है। हर साल दुनिया भर के देश विश्व रक्तदाता दिवस मनाते हैं। यह आयोजन सुरक्षित रक्त और रक्त उत्पादों की ज़रूरत के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वैच्छिक, बिना पैसे दिए रक्तदान करने वालों को उनके जीवन रक्षक रक्त के लिए धन्यवाद देने के लिए किया जाता है एक रक्त सेवा जो रोगियों को पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित रक्त और रक्त उत्पादों तक पहुँच प्रदान करती है, एक प्रभावी स्वास्थ्य प्रणाली का एक प्रमुख घटक है। विश्व रक्तदाता दिवस का वैश्विक विषय प्रत्येक वर्ष उन निस्वार्थ व्यक्तियों के सम्मान में बदलता है जो अपने रक्त को उन लोगों के लिए दान करते हैं जिन्हें वे नहीं जानते। रक्तदान एक ऐसा जरिया है जिसके द्वारा आप स्वयं जीवित रहते हुए भी किसी अन्य की रगों में जीवित रहते हुए उसे जीवनदान देने का सार्थक कार्य करते हैं।

स्वस्थ लोगों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित करने, इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने, रक्तदान करने वाले लोगों में आत्मसम्मान भावना को जगाने व उन्हें धन्यवाद देने के उद्देश्य से इस दिवस का खास महत्व है। रक्तदान को नेक और निस्वार्थ कार्य के रूप में देखा जाता है। एक व्यक्ति के रक्तदान से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। हालांकि, आज भी कई ऐसे लोग मिल जाते हैं, जो दर्द, खून की कमी और सूई के डर के साथ ही अपनी अलग ही मान्यताओं व रिति-रिवाजों के कारण रक्तदान में संकोच करते हैं। स्वस्थ वयस्कों के लिए रक्तदान बिल्कुल सुरक्षित कार्य है एक स्वस्थ इंसान 90 दिन के अंतराल के पश्चात पुनः रक्तदान कर सकता है रक्तदान से किसी भी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं आती भारत में कुल रक्तदान का केवल 59 फीसदी रक्तदान स्वेच्छिक होता है। तीन महीनों की समय अवधि के बाद रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान करने की अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष है। हालांकि, साठ वर्ष से ज्यादा आयु के लोगों द्वारा चिकित्सक के मार्गदर्शन पहली बार अथवा नियमित रूप से रक्तदान किया जा सकता है। रक्त की मात्रा 350 मिलीलीटर से 450 मिलीलीटर के अंतर पर लिया जा सकता है। रक्त की मात्रा को प्रतिस्थापित करने में सामान्य रूप से 24 घंटे लगते हैं। यदि आप सामान्य रूप से स्वस्थ हैं, तो चिंता की कोई कोई बात नहीं है। यदि प्रयोगशाला मोबाइल वैन उचित निवारक कार्रवाई कर रही है, तो संक्रमण की संभावना कम होती हैं रक्तदान की प्रक्रिया पूरी तरह से सुरक्षित है। प्रत्येक रक्तदाता के लिए नई सुई का उपयोग किया जाना चाहिए तथा उस सुई को उपयोग के बाद फेंक दिया जाना चाहिए।

रक्तदान सामान्यत चार चरणों में संपन्न होने वाली प्रक्रिया है। पंजीकरण, रक्त दानकर्ता की चिकित्सीय पृष्ठभूमि, रक्तदान और अल्पाहार या जलपान। स्वस्थ इंसान के शरीर में 5 से 7 लीटर रक्त हमेशा मौजूद रहता है। शरीर में एक यूनिट रक्त अतिरिक्त होता है जो दिया जा सकता है। हमारे शरीर में रक्त बनने की क्रिया भी काफी रोचक है। रक्त, श्वेत रक्त कण, लाल रक्त कण, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स से मिलकर बने रक्त में लाल रक्तकण शरीर के हर भाग में ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करते हैं, श्वेत रक्त कण रोग प्रतिरोधक होते हैं तो प्लेटलेट्स का काम होता है बहते रक्त को रोकना। कभी चोट लगने पर खून बहता है और प्लेटलेट्स ही उसे बहने से रोकने का काम करते हैं। हर दिन हमारे शरीर के बोन मैरो (अस्थिमज्जा) में रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता रहता है। रक्तदान कर अपने रक्त की मुफ्त जांच का लाभ भी मिल जाता है। दान से कितने ही जीवन बचाए जा सकते हैं। रक्तदान को लेकर आज भी लोग भ्रम के शिकार हैं। कुछ लोग आज भी मानते हैं कि रक्तदान से शरीर में कमजोरी आती है। इसी भ्रान्ति का नतीजा है कि लोग अपने मां, बाप, भाई और बहन तक के लिए रक्त देने से आना कानी हैं। वे ब्लड बैंकों के चक्कर काटते हैं और पैसे से रक्त की व्यवस्था करना चाहते हैं। वे भूल जाते हैं कि ब्लड बैंकों में भी रक्त तभी उपलब्ध हो पाता है जब लोग स्वेच्छा से रक्तदान करें। आमतौर पर ब्लड बैंक जरूरतमंदों को उनकी जरूरत वाले रक्त समूह का रक्त बदले में ही दे पाते हैं। रक्त मानव शरीर का एक प्रकार का तरल पदार्थ है, जो शरीर का कोशिकाओ को अवाश्यक पोषक तत्व और प्राणवायु पहुचाने का कार्य करता है और कोशिकाओ से खराब खराब पदार्थ को निकालने का कार्य करता है। रक्त की कमी के कारण देश भर में हर वर्ष हजारों लोगो की मृत्यु हो जाती है। हर दो सेकंड में किसी ना किसी को रक्त की जरूरत होती। एक नियमित रक्तदाता, तीन महीने बाद ही अगला रक्तदान कर सकता है। उन्हें आयरन, विटामिन बी व सी युक्त आहार करना चाहिए। इसके लिए उन्हें नियमित आहार में पालक, संतरे का जूस, फल और डेरी उत्पाद आहार में लेने चाहिए। रक्तदान से दो-तीन घंटे पहले पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं व भरपेट भोजन करें। इससे खून में शुगर की मात्रा स्थिर रहती है अतः मेडिकल नियमों की पालना करते हुए निडर होकर स्वयं भी रक्तदान करें और अन्य को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करें यहां एनजीओ स्वयंसेवी संस्थाओं को अधिकाधिक अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए आम जन को रक्तदान के लिए प्रेरित कर अधिक से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित करते रहने चाहिए आम जन को भी चाहिए अपनी शादी की वर्षगांठ, जन्मदिन इत्यादि अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित करें जिससे रक्तदान के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन समाज में आए और रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियां दूर हो।

आलेख- डॉ राकेश वशिष्ठ, वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादकीय लेखक, (लेखक स्वयं अभी तक 101 बार रक्तदान कर चुके हैं साथ ही देहदान और अंगदान भी कर चुके हैं)

सम्पादकीय

मोदी युग के 11 वर्ष और अजमेर की विकास यात्रा

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पिछले 11 वर्ष एक निर्णायक और परिवर्तनकारी दौर के रूप में दर्ज किए जा रहे हैं। वर्ष 2014 में केंद्र की सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो परिवर्तनकारी नीतियाँ और योजनाएँ देश में लागू की गईं, उनका व्यापक प्रभाव आज देश के हर कोने में महसूस किया जा रहा है – और अजमेर संसदीय क्षेत्र इसका सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" जैसे मूल मंत्रों के साथ मोदी सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और वंचित तबकों के उत्थान के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। यही कारण है कि इस कालखंड को "11 ईयर ऑफ गरीब कल्याण" के नाम से रेखांकित किया जा रहा है नींव से आत्मनिर्भरता तक की यात्रा पहला कार्यकाल (2014-2019) में सरकार ने जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों गरीबों को बैंकिंग से जोड़ा, स्वच्छ भारत मिशन से शौचालय निर्माण और स्वच्छता को गति दी, उज्ज्वला योजना ने रसोई घरों से धुंआ हटाया और प्रधानमंत्री आवास योजना ने लाखों को सिर पर छत दी। दूसरे कार्यकाल (2019-2024) में सरकार ने पीएम किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, गरीब कल्याण अन्न योजना, आत्मनिर्भर भारत अभियान, और MSP में वृद्धि जैसी योजनाओं के जरिए सीधे लोगों के जीवन को छुआ। वहीं तीसरे और वर्तमान कार्यकाल (2024-वर्तमान) में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की प्रतिबद्धता के साथ डिजिटल इंडिया, वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार और अमृत भारत स्टेशन योजना जैसे कार्यक्रमों को नई गति मिली है।

कृषि और किसान कल्याण मोदी सरकार का आधार स्तंभ मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों में किसान हित प्रमुखता से शामिल है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत अब तक 12 करोड़ से अधिक किसानों को हर साल 6,000 की आर्थिक सहायता दी जा रही है। फसल बीमा योजना, ड्रोन तकनीक का उपयोग, MSP में बढ़ोतरी और ई-नाम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म ने कृषि क्षेत्र को नया आत्मबल दिया है।

अजमेर के विकास की मिसाल अजमेर संसदीय क्षेत्र, जिसने ऐतिहासिक, धार्मिक और शैक्षणिक दृष्टि से देश में अपनी पहचान बनाई है, अब बुनियादी ढांचे और जनकल्याण के क्षेत्र में भी एक आदर्श के रूप में देखा जा रहा है।

रेलवे और यातायात में क्रांतिकारी परिवर्तन राजस्थान की पहली वंदे भारत ट्रेन का संचालन अजमेर से हुआ। 498 करोड़ की लागत से अजमेर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास। 52 किमी नई लाइन, 145 किमी लाइन विस्तार, और 186 किमी दोहरीकरण के लिए 200 करोड़ से अधिक की स्वीकृति।

स्वास्थ्य और शिक्षा में निवेश कायड़ में मेडिकल कॉलेज का निर्माण, 100 बेड का श्चस्ढ्ढष्ट अस्पताल किशनगढ़ में स्वीकृत। पीएम केयर फंड से वेंटिलेटर और ऑक्सीजन संयंत्र। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 175 करोड़ के विकास कार्य।

सड़क और पुल निर्माण 10 फ्लाईओवर, 350 करोड़ की लागत से स्वीकृत। किशनगढ़-अहमदाबाद हाईवे को छह लेन में बदला जा रहा है – सिर्फ अजमेर हिस्से में ही 1200 करोड़ की परियोजना। ग्रामीण सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर 500 करोड़ से अधिक के कार्य प्रगति पर।

शहरी विकास की दिशा में अग्रसर अजमेर स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 990 करोड़ के 107 में से 90 कार्य पूर्ण। जल जीवन मिशन के तहत 746 करोड़ के कार्य स्वीकृत।

जनकल्याण योजनाओं का धरातली प्रभाव अजमेर संसदीय क्षेत्र में पीएम आवास, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, जनधन, स्वच्छ भारत, स्वनिधि और गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी योजनाओं से हजारों परिवारों के जीवन स्तर में ठोस सुधार देखने को मिला है।

बदला भारत, बढ़ा भारत प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों का कार्यकाल केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इन योजनाओं का सीधा प्रभाव आमजन के जीवन में दिखा है। अजमेर क्षेत्र में जो कार्य हुए हैं, वे इस बात का प्रमाण हैं कि जब नेतृत्व स्पष्ट विजन के साथ काम करता है, तो स्थानीय विकास भी राष्ट्रीय उन्नति का हिस्सा बन जाता है। 11 वर्ष का यह कालखंड भारत के बदलाव, विकास और आत्मबल का प्रतीक बन चुका है। अजमेर की प्रगति इस परिवर्तनशील भारत की एक जीवंत तस्वीर है।

(लेखक - मोदी सरकार में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री तथा अजमेर लोकसभा क्षेत्र से लगातार दूसरी बार सांसद है।)

शिक्षा की सूरत

अगर हम किसी समाज, किसी देश का सर्वांगीण विकास चाहते हैं तो जरूरी है कि वहां के हर स्तर पर शिक्षा का बेहतर से बेहतर विकास हो। शिक्षा की सारी सुविधाएं उपलब्ध हों। वह शिक्षा गुणवत्ता और नैतिकता एवं रोजगारपरक हो, तो निश्चित तौर पर वह राष्ट्र विश्व के अग्रणी देशों में अपना परचम लहरा सकता है। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र के सत्र सतत विकास लक्ष्यों में गुणवत्ता आधारित शिक्षा को चौथे क्रम में प्राथमिकता दी गई है। हमारे देश में शहरी स्तर पर शिक्षा की स्थिति को बेहतर कही जा सकती है, लेकिन आज ग्रामीण स्तर पर शिक्षा की स्थिति बिल्कुल बेहतर नहीं है और आज इसके सामने कई गंभीर चुनौतियां खड़ी हुई हैं। मसलन, शिक्षक और विद्यार्थियों की संख्या का अनुपात संतुलित नहीं है। भारत के कई क्षेत्रों में दो से ढाई सौ बच्चों पर केवल एक शिक्षक ही सेवा दे रहा है। यह तथ्य सुनने में सामान्य लग सकता है, लेकिन स्थिति बहुत खराब है। भारत के लगभग सभी राज्यों में सरकारी शिक्षक पदों पर भर्ती न करना, परीक्षा में देरी करना, परीक्षा भर्ती में होने वाला बेतहाशा भ्रष्टाचार। साथ ही, बेहतर अधोसंरचना का अभाव हम और आप अक्सर खबरों में पढ़ते और सुनते हैं कि गांव के सरकारी स्कूलों की क्या हालत है। किसी कक्षा की छत से पानी टपक रहा है तो शौचालय टूटे-फूटे पड़े हैं। खेल परिसर का दूर-दूर तक पता नहीं है तो कहीं पानी के लिए बच्चे स्कूल से एक एक किलोमीटर दूर जाते हैं। कहीं सड़क नहीं है स्कूल तक पहुंचने के लिए तो बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार कर स्कूल जाते हैं तो कहीं बारिश में स्कूल तक पहुंच दुर्लभ हो गई है। इसके अलावा, दूरदराज के इलाकों या ग्रामीण स्तर पर शिक्षा को बेहतर करने की प्रतिस्पर्धा नहीं है। वहां की शिक्षा सरकारी तंत्र के भरोसे है। सरकारों ने गांव-गांव में उच्च माध्यमिक स्कूल तो खोल दिए हैं, लेकिन उनकी गुणवत्ता को लेकर कोई खास प्रयास नहीं किए हैं। यह केवल आंकड़े में दिखाने के लिए है कि गांव में बारहवीं तक स्कूल उपलब्ध हो गया है। एक समस्या गांव में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जैसे बिजली, स्वच्छ जल, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, शहर और गांव के बीच बेहतर संपर्क का अभाव आदि। इसके कारण महानगरों का शिक्षित वर्ग ग्रामीण स्तर पर सेवाएं देने से परहेज करते हैं। सरकारों ने सुधार लाने के लिए प्रयास किया है, लेकिन उतने बेहतर परिणाम नहीं दिखे जितने की आशा थी। इसलिए जरूरी है कि सरकारें और गंभीरता से इस ओर ध्यान दें।

बच्चों को स्कूल भेजने के बजाय उनसे बाल श्रम कराया जाता है

वर्तमान में गरीब बच्चों का सबसे अधिक शोषण हो रहा है। उन्हें स्कूल भेजने के बजाय बाल मजदूर के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। अधिकांश बच्चे अपने घरों की बेहद कमजोर आर्थिक स्थिति या फिर अपने माता-पिता के सामाजिक बुराइयों के शिकार होने के कारण काम करने के लिए मजबूर होते हैं। बाल मजदूरी बच्चों के मानसिक, शारीरिक, आध्यात्मिक, बौद्धिक और सामाजिक हितों को प्रभावित करती है। बाल मजदूरी में लिप्त बच्चे मानसिक रूप से बीमार होते हैं और बाल मजदूरी उनके शारीरिक और बौद्धिक...

गरीब बच्चे शोषण के सबसे अधिक शिकार होते हैं 12 जून को पूरे विश्व में बाल श्रम के विरोध में हर साल मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2002 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता फैलाने और 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को इस काम से मुक्त कराने तथा उन्हें शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। इस दिवस को पूरे विश्व में मनाने का मुख्य उद्देश्य बाल श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। बाल श्रम आज भारत में एक बहुत बड़ी समस्या है। सरकारें इस बुराई को रोकने के लिए समय-समय पर कानून बनाती रही हैं और दावे भी किए जाते हैं कि इस बुराई को रोकने के लिए काफी प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन आज भी ढाबों, औद्योगिक इकाइयों और कई अन्य जगहों पर काम करने वाले बच्चे इन सरकारी दावों को झूठलाते नज़र आते हैं। देश में बाल मजदूरों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। वर्तमान में गरीब बच्चों का सबसे अधिक शोषण हो रहा है। उन्हें स्कूल भेजने के बजाय बाल मजदूर के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। अधिकांश बच्चे अपने घरों की बेहद कमजोर आर्थिक स्थिति या फिर अपने माता-पिता के सामाजिक बुराइयों के शिकार होने के कारण काम करने के लिए मजबूर होते हैं। बाल मजदूरी बच्चों के मानसिक, शारीरिक, आध्यात्मिक, बौद्धिक और सामाजिक हितों को प्रभावित करती है। बाल मजदूरी में लिप्त बच्चे मानसिक रूप से बीमार होते हैं और बाल मजदूरी उनके शारीरिक और बौद्धिक विकास में बड़ी बाधा बनती है। बाल मजदूरी बच्चों को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित करती है जो संविधान के खिलाफ है और मानवाधिकारों का भी उल्लंघन है। भारत में बाल मजदूरी के खिलाफ 1986 में एक अधिनियम पारित किया गया था। इस अधिनियम के अनुसार, उद्योगों में बच्चों को काम पर रखना प्रतिबंधित है। इसके अनुसार,

14 वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को किसी भी फैक्ट्री आदि में काम पर नहीं रखा जा सकता। पंद्रह से 18 वर्ष की आयु के बच्चों को किसी भी फैक्ट्री में तभी काम पर रखा जा सकता है, जब उनके पास किसी मान्यता प्राप्त डॉक्टर से फिटनेस सर्टिफिकेट हो। इस कानून के अनुसार 14 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों को प्रतिदिन साढ़े चार घंटे काम करना होगा तथा रात में काम करने पर रोक है। दुर्भाग्य से, इतने सख्त कानून के बाद भी बच्चों को होटलों, कारखानों, दुकानों आदि में दिन-रात काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिससे कानून का उल्लंघन हो रहा है तथा मासूम बच्चों का बचपन प्रभावित हो रहा है। आंकड़ों के अनुसार, आज दुनिया में सबसे ज्यादा बाल मजदूर भारत में हैं। 50 प्रतिशत भारतीय बच्चे अपने बचपन के अधिकारों से वंचित हैं। उन्हें न तो शिक्षा की रोशनी मिल रही है और न ही उनका सही पालन-पोषण हो रहा है। बाल श्रम के खिलाफ काम करने वाले संगठन 'बचपन बचाओ आंदोलन' की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में करीब सात से आठ करोड़ बच्चे अनिवार्य शिक्षा से वंचित हैं। ये बच्चे गरीबी के कारण स्कूल नहीं जा पाते और इनमें से अधिकतर बच्चे बाद में बाल मजदूरी करने को मजबूर हो जाते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में इस समय 20 मिलियन बाल मजदूर हैं, लेकिन हकीकत में यह आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा है। देखा जाए तो गरीबी के कारण बच्चे कठोर परिश्रम करते हैं। इसके अलावा बढ़ती जनसंख्या, आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की कमी, शिक्षा की कमी और मौजूदा कानूनों का सही तरीके से क्रियान्वयन न होना भी बढ़ते बाल श्रम के लिए जिम्मेदार हैं। भारत में कई जगहों पर आर्थिक तंगी के कारण माता-पिता अपने बच्चों को चंद पैसों के लिए ठेकेदारों को बेच देते हैं, जो अपनी सुविधा के अनुसार उन्हें होटलों, कॉटेज और अन्य कारखानों में काम पर लगा देते हैं, जहाँ इन बाल मजदूरों का अक्सर शोषण होता है। देश से बाल श्रम की इस बुराई को मिटाने के लिए ऐसे बच्चों के परिवारों को गरीबी के चक्र से बाहर निकालना और उनकी शिक्षा के लिए उचित प्रयास करना जरूरी है।

विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब

मैटरनिटी ब्रेक के बाद लाइट, कैमरा, एक्शन को तैयार दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्री में से एक दीपिका पादुकोण बीते साल सितंबर 2024 में मां बनी थीं। उन्होंने पति रणवीर सिंह के साथ बेटी का स्वागत किया था, जिसका नाम दुआ है। बेटी के जन्म के बाद फिलहाल दीपिका मैटरनिटी ब्रेक पर हैं और अब हाल ही में खबर सामने आई है कि वे जल्द ही फिल्म सेट पर वापसी करने वाली हैं। आखिरी बार उन्हें रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था, जो दिवाली 2024 पर रिलीज हुई थी। हालांकि, प्रेग्नेंसी के कारण उन्होंने फिल्म के प्रमोशन में हिस्सा नहीं लिया। तब से ही उनकी वापसी को लेकर तमाम अटकलें लगाई जा रही थीं। अब, उनके फैंस के लिए एक अच्छी खबर आई है कि दीपिका जल्द ही फिल्म सेट पर वापसी कर रही हैं। दीपिका की अगली बड़ी फिल्म कल्कि 2898 ई. हैं, जिसमें प्रभास और अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिकाओं में हैं। डायरेक्टर नाग अश्विन ने हाल ही में फिल्म और इसके शूटिंग शेड्यूल के बारे में अपडेट दिया है। पहले खबरें थीं कि कल्कि 2898 ई.का सीक्वल 2025 की गर्मियों में आएगा, लेकिन अब इसमें देरी होगी है। हाल ही में एक इवेंट के दौरान डायरेक्टर नाग अश्विन ने बताया कि सीक्वल की तैयारियां जोरों पर हैं और इसकी शूटिंग दिसंबर 2025 में शुरू होगी। इसका मतलब यह हुआ कि दीपिका का मैटरनिटी ब्रेक दिसंबर 2025 तक खत्म हो सकता है और वह शूटिंग के लिए लौट सकती हैं। दीपिका ने हाल ही में पठान 2 की घोषणा से भी सुर्खियां बटोरी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान के साथ उनकी यह फिल्म अगले साल फ्लोर पर जा सकती है।

अभिषेक को मिला पहला बेस्ट एक्टर अवॉर्ड, गदगद हुए अमिताभ

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने बेटे अभिषेक बच्चन की जमकर तारीफ की है। अभिषेक को हाल ही में पहला बेस्ट एक्टर अवॉर्ड मिला है। हाल ही में महानायक के बेटे और बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन को शोशा रील अवॉर्ड्स 2025 में बेस्ट एक्टर (जूरी) अवॉर्ड मिला। बेटे को मिले इस सम्मान से वह गर्व से झूम उठे। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया और बेटे की सफलता की खुशी फैंस के साथ शेयर की। लेकिन इस पोस्ट में उन्होंने फिर उत्तराधिकारी की बात कर डाली। हाल ही में अभिषेक बच्चन को एक अवॉर्ड्स 2025 में बेस्ट एक्टर (जूरी) अवॉर्ड मिला। उन्हें ये अवॉर्ड 2024 में रिलीज़ हुई फिल्म 'आई वांट टू टॉक' के लिए मिला। वीडियो के साथ, अमिताभ बच्चन ने एक प्यारा नोट भी लिखा और अपने बेटे को सच्चा उत्तराधिकारी कहा। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अमिताभ बच्चन ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अभिषेक अवॉर्ड लेते और सभी का धन्यवाद करते नजर आ रहे हैं। वीडियो शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेरे बेटे, बेटे होने से मेरे उत्तराधिकारी नहीं होंगे। जो मेरे उत्तराधिकारी होंगे वो मेरे बेटे होंगेज्हरिवंश राय बच्चन। अभिषेक का भाषण भावुक कर देने वाला था, जिसमें उन्होंने शूजीत सरकार और अपने सह-कलाकारों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, यह मेरा पहला बेस्ट एक्टर अवॉर्ड है। मैं सम्मानित जूरी का धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे योग्य समझा। इसका पूरा श्रेय शूजीत दा को जाता है, जो एक अद्भुत निर्देशक हैं। मैं इस सम्मान को अपनी दो शानदार ऑन-स्क्रीन बेटियों, अहिल्या और पर्ल के साथ साझा करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे बहुत अच्छा दिखाया। यहां मौजूद सभी साथी कलाकारों और फिल्म निर्माताओं को धन्यवाद, आपका काम मुझे हर दिन खुद का सबसे अच्छा संस्करण बनने के लिए प्रेरित करता है।

बॉलीवुड की नायिकाओं को मिल रही साउथ इंडस्ट्री में भारी फीस

बॉलीवुड की नायिकाओं को साउथ इंडस्ट्री में बड़े बजट की फिल्मों में काम करने के लिए भारी भरकम फीस दी जा रही है। 'एनिमल' में खलनायक की भूमिका निभाने के बाद बॉबी देओल दक्षिण भारत में काफी लोकप्रिय हो गए हैं!बॉबी अब लगातार साउथ की फिल्मों में नजर आ रहे हैं। उनकी अगली फिल्म 'सनी जाट' का निर्माण और निर्देशन भी दक्षिण भारतीय फिल्मकारों द्वारा किया जा रहा है। इसी तरह, साउथ फिल्म निर्माता बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस को भी आकर्षक ऑफर्स दे रहे हैं। हाल ही में खबर आई थी कि एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित महेश बाबू की फिल्म स्स्स्ब29 के लिए प्रियंका चोपड़ा को 30 करोड़ रुपये की भारी फीस दी गई है। ऐसा माना जा रहा है कि प्रियंका इस फिल्म में विलेन का किरदार निभा रही हैं, और यह एक पैन-वर्ल्ड प्रोजेक्ट है, जिसका बजट 1000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। अब इसी तरह की खबरें कियारा आडवाणी को लेकर भी आ रही हैं। कियारा, जो पहले ही बॉलीवुड में कई हिट फिल्में दे चुकी हैं, अब साउथ के सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' के लिए साइन की गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म के लिए उन्हें 15 करोड़ रुपये की फीस दी जा रही है। हालांकि, इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अगर यह सही साबित होती है, तो कियारा भी बॉलीवुड की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शामिल हो जाएंगी। गौरतलब है कि कियारा आडवाणी की पिछली फिल्म 'गेम चेंजर' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। इसके बावजूद, उनकी स्टार पावर बरकरार है। मां बनने की खबर के बाद उन्होंने फरहान अख्तर की 'डॉन 3' छोड़ दी थी, लेकिन फिर भी बड़े बजट की फिल्मों में उनकी मांग बनी हुई है। इसके अलावा, कियारा 'वॉर 2' में भी नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर हैं। ऐसे में 2025 कियारा के लिए करियर का बड़ा साल साबित हो सकता है। वहीं, दीपिका पादुकोण ने 'कल्कि 2898 एडी' के लिए 20 करोड़ रुपये की फीस ली थी, और अब कियारा भी इसी लिस्ट में शामिल हो सकती हैं। साउथ इंडस्ट्री का यह ट्रेंड यह दिखाता है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की टॉप हीरोइन्स अब सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनकी डिमांड पूरे देश और ग्लोबल सिनेमा में बढ़ रही है। मालूम हो कि दक्षिण भारतीय फिल्म निर्माता अब हिंदी फिल्मों के बड़े सितारों को अपनी फिल्मों में कास्ट कर रहे हैं, जिससे उनकी फिल्मों को उत्तर भारतीय बाजार में भी बड़ी सफलता मिल रही है।

पैसेंजर्स की परवाह करने का दावा करने वाली एयरलाइन में हमदर्दी कहां है: लीजा रे

हाल ही मेंमशहूर अभिनेत्री लीजा रे ने एक एयरलाइन पर असंवेदनशील होने का आरोप लगाया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर इस मामले ने तूल पकड़ लिया। एक पोस्ट साझा करते हुए लीजा रे ने बताया कि उनके 92 वर्षीय बीमार पिता की हालत के चलते उन्हें अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी, लेकिन डॉक्टर का प्रमाणपत्र जमा करने के बावजूद एयरलाइन ने किसी भी तरह की रियायत देने से इनकार कर दिया। उन्होंने लिखा, फिर से शुरू हो गया। मेरे पिता 92 साल के हैं और बीमार हैं। मुझे उनकी बीमारी के कारण ट्रैवल कैंसिल करना पड़ा। डॉक्टर का लेटर सबमिट करने के बाद भी छूट देने से इंकार कर दिया गया? ये कैसे संभव है? पैसेंजर्स की परवाह करने का दावा करने वाली एयरलाइन में हमदर्दी कहां है???उनकी इस पोस्ट के वायरल होते ही लोगों ने एयरलाइन की नीति और रवैये की आलोचना करनी शुरू कर दी। बढ़ते विवाद को देखते हुए एयरलाइन ने भी जवाब दिया और लीजा रे से उनके ईमेल आईडी या केस आईडी की जानकारी मांगी ताकि वे इस मामले की समीक्षा कर सकें। एयरलाइन ने कहा, डियर लीजा रे, हम आपकी चिंता से हमदर्दी रखते हैं और आपके पिता के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। कृपया हमें वह ईमेल एड्रेस या केस आईडी बताएं, जिससे आपने संपर्क किया था, ताकि हम इस पर गौर कर सकें। बाद में एयरलाइन ने एक और पोस्ट किया, कृपया हमें कुछ समय दें। हम दी गई जानकारी की समीक्षा कर रहे हैं और आपकी चिंता को जल्द से जल्द दूर करने का प्रयास करेंगे। आपसे अनुरोध है कि अपनी संपर्क जानकारी और सुविधाजनक समय डीएम के जरिए साझा करें। बात करें लीजा रे के करियर की, तो उन्होंने 90 के दशक में मॉडलिंग से अपनी शुरुआत की थी और कई विज्ञापनों में काम किया। साल 2001 में उन्होंने फिल्म कसूर से बॉलीवुड में कदम रखा, जिसके बाद दीपा मेहता की फिल्म वॉटर से उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। उन्होंने कनाडाई फिल्मों में भी अभिनय किया है। कैंसर से जंग जीतने के बाद उन्होंने लेखन की दुनिया में भी कदम रखा।

शादी और बच्चे जीवन की अनिवार्यता नहीं: किम शर्मा

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री किम शर्मा ने शादी और मातृत्व को लेकर अपने विचार साझा किए। एक्ट्रेस ने कहा कि मां बनना उनकी योजना का हिस्सा नहीं है। किम का मानना है कि शादी और बच्चे को जीवन की अनिवार्यता मानने की कोई जरूरत नहीं है, बल्कि यह हर व्यक्ति की निजी पसंद होनी चाहिए। एक इंटरव्यू में किम शर्मा ने पारंपरिक विवाह और माता-पिता बनने को लेकर समाज के नजरिए पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'हमारे समाज में शादी को इस तरह देखा जाता है कि एक व्यक्ति के साथ पूरी जिंदगी बितानी ही होगी। खाना बनाना, घर संभालना, बच्चों का टिफिन तैयार करना—ये सब अनिवार्य मान लिया जाता है। लेकिन मैं कहती हूं कि अगर आप इसे कुछ सालों तक अनुभव करना चाहते हैं तो करें, अगर पूरी जिंदगी जीना चाहते हैं तो करें, और अगर नहीं करना चाहते तो मत करें।' जब उनसे यह पूछा गया कि क्या वह शादी करके बच्चे पैदा करने की योजना बना रही हैं, तो उन्होंने तुरंत असहमति जताई और कहा कि मां बनना उनकी प्राथमिकता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चे पैदा करने का मतलब यह नहीं होता कि वे बुढ़ापे में माता-पिता की देखभाल करेंगे। किम ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'मैं देखना चाहती हूं कि आज के दौर में कितने बच्चे अपने माता-पिता के बुढ़ापे में उनके पैर दबा रहे हैं। सच तो यह है कि बहुत ही कम बच्चे अपने माता-पिता के लिए मौजूद होते हैं। माता-पिता अपनी पूरी जिंदगी अपने बच्चों को देते हैं, लेकिन जब उन्हें जरूरत होती है तो बच्चे अक्सर व्यस्त होने का बहाना बना लेते हैं।' किम का मानना है कि माता-पिता बनना कोई लेन-देन का सौदा नहीं है, जहां एक व्यक्ति यह सोचकर बच्चा पैदा करे कि वह उसका बुढ़ापे में सहारा बनेगा। उन्होंने कहा, अगर कोई यह सोचकर बच्चे पैदा कर रहा है कि वह बुढ़ापे में उसकी देखभाल करेगा, तो यह बेहद गलत मानसिकता है। बच्चे इस दुनिया में इसलिए नहीं आते कि वे किसी का कर्ज चुकाएं।'

सोहा ने बिल गेट्स से अपनी पुस्तक 'सोर्स कोड' पर लिया ऑटोग्राफ

हाल ही में अमेरिकी बिजनेसमैन और परोपकारी बिल गेट्स के साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान ने एक खास मुलाकात की। इस दौरान सारा ने उनकी किताब सोर्स कोड पर ऑटोग्राफ भी लिया। एक्ट्रेस ने अपनी इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं और गेट्स की सोच और सकारात्मकता की तारीफ की। सोहा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, यह मानना कि दुनिया बदतर होती जा रही है, कि हम अत्यधिक गरीबी और बीमारी का समाधान नहीं कर सकते,

सिर्फ गलत नहीं है, बल्कि यह हानिकारक भी है। किसी समझदार, धनी, उदार, समाधान-उन्मुख और सबसे महत्वपूर्ण रूप से आशावादी व्यक्ति से मिलकर और उनकी पुस्तक पर हस्ताक्षर प्राप्त कर बहुत खुशी हुई!। इस बीच, सोहा अली खान अपनी फिटनेस को लेकर भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह पुश-अप्स, जंपिंग जैक, एब क्रंच, वन-लेग लंज और ट्रेडमिल रनिंग करती नजर आईं। उन्होंने इस पोस्ट के साथ कैप्शन दिया, सप्ताह भर जोर लगाते हुए... वर्कआउट वेडनसडे, जिससे उनके प्रशंसकों को फिटनेस के प्रति प्रेरणा मिली। वहीं, अगर उनके वर्कफ्रंट की बात करें, तो सोहा जल्द ही छोरी 2 में नजर आएंगी। यह फिल्म 2021 में आई हॉरर-ड्रामा 'छोरी' का सीक्वल है, जिसमें नुसरत भरूचा मुख्य भूमिका में थीं। विशाल फुरिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण टी-सीरीज, क्रिप्ट टीवी और अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। इस फिल्म में मीता वशिष्ठ, पल्लवी अजय, यानि भारद्वाज, राजेश जैस और सौरभ गोयल भी अपनी पिछली भूमिकाएं दोहराते नजर आएंगे। फैंस जहां सोहा की इस खास मुलाकात को लेकर उत्साहित हैं, वहीं उनकी आगामी फिल्म 'छोरी 2' को लेकर भी काफी उत्सुकता बनी हुई है गौरतलब है कि बिल गेट्स तीन साल में तीसरी बार भारत आए हैं और इस दौरान वह राजनीतिक और सामाजिक रूप से प्रभावशाली हस्तियों से मुलाकात कर रहे हैं। उनकी इस यात्रा को लेकर काफी चर्चा हो रही है, क्योंकि वह भारतीय विकास और परोपकार से जुड़े कई विषयों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

जेल में बिताए दिनों को लेकर एजाज खान ने किए चौंकाने वाले खुलासे

कुछ समय पहले ड्रग्स मामले में गिरफ्तार हुए अभिनेता एजाज खान ने दावा किया कि उन्होंने जेल में रहते हुए शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान और शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा की मदद की थी। अभिनेता एजाज खान ने जेल में बिताए अपने दिनों को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। एक इंटरव्यू में एजाज ने बताया कि जब वह मुंबई की आर्थर रोड जेल में थे, तब आर्यन और राज कुंद्रा भी वहां मौजूद थे। उन्होंने कहा, हां, आर्यन भी वहीं था। हमने शाहरुख के बेटे को पानी, सिगरेट सब दिया। जेल में इससे ज्यादा कोई क्या दे सकता है? वहां गुंडों और माफियाओं से बचाना भी जरूरी होता है, वरना पैसा देना पड़ता। आर्यन खान कॉमन बैरक में था, जबकि मैं और राज कुंद्रा बैरक नंबर 6 में थे। जेल में 3,500 से ज्यादा अपराधी हैं, वहां हर किसी से बचना मुश्किल होता है। जब एजाज से पूछा गया कि क्या जेल से बाहर आने के बाद उनकी आर्यन से मुलाकात हुई, तो उन्होंने कहा, कोई मीटिंग नहीं हुई। ये ऐसा ही है कि नेकी कर दरिया में डाल। लेकिन जो खानदानी और मर्द आदमी होगा, वो तुम्हें कभी नहीं भूल सकता। एजाज ने राज कुंद्रा के बारे में भी कई बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि जेल में रहते हुए राज अक्सर उनके जरिए पानी, ब्रेड और बिस्किट मांगते थे। सुपरिंटेंडेंट ने राज को साफ मना कर दिया था कि कोई उसे बिसलेरी नहीं देगा, सिर्फ नॉर्मल पानी मिलेगा। लेकिन वो अगर नॉर्मल पानी पीता तो बीमार हो जाता। इसलिए मैंने उसकी मदद की, एजाज ने कहा। हालांकि, जेल से बाहर आने के बाद राज कुंद्रा के व्यवहार से एजाज नाराज दिखे। उन्होंने कहा, राज ने एक इंटरव्यू में कहा था कि एजाज खान ने उसकी बहुत मदद की। लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है? उसने जेल में हुए जुल्म पर एक फिल्म बनाई, लेकिन उसमें मेरा रोल ही काट दिया। मेरा किरदार तो रखता, ताकि दुनिया देखती कि मैंने उसके लिए कितनी दुश्मनी ली, सबके खिलाफ जाकर उसकी मदद की। राज कुंद्रा को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए एजाज ने आगे कहा, मैंने उसे जेल में ब्रेड, बटर, बिस्किट दिया, लेकिन उसकी कोई कीमत नहीं। अगर बाहर आकर कोई मुझे पांच करोड़ भी दे, तो वो कम होगा, लेकिन उसने तो पांच रुपये भी नहीं दिए। उन्होंने यह भी कहा कि राज कुंद्रा ने जेल में जो समय उनके साथ बिताया, उतना शायद उन्होंने अपनी पत्नी शिल्पा शेट्टी के साथ भी नहीं बिताया होगा। हम वहां 24 घंटे साथ रहते थे। दुख होता है कि आज वो बड़ी-बड़ी पार्टियां करता है, लेकिन मुझे कभी नहीं बुलाता। वो उन लोगों को बुलाता है, जो उसे बदनाम कर रहे थे।

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आज आयुर्वेद का जमाना है और लोग अंग्रेजी दवाइयां खाकर ऊब चुके हैं, यही नहीं इन दवाओं के साइड इफेक्ट से लोग हमेशा डरते रहते है। यदि कोई गंभीर बीमारी है तो चेकअप वगैरह कराने में ही दम फूल जाता है।

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, क्यों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

- आज भागमभाग की जिन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमार ना हो, लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।
- लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटैक नहीं कर पाएंगी।
- हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।
- डाबर के उत्पाद बाजार में छाए है बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलां औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क भी काफी रहती है।

- आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।
- पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अत्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें।
- खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।
- यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं। आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोवेरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

- एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत- सी असाध्य बीमारियां ठीकहोती हैं।

आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती है। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती है। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

- एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
- यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।
- नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।
- शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले है तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते है।

खुशियों का खजाना आपके ही पास है

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते है। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रेंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कराने, जाम के खुलने का मुस्कराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो? अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

मालीक्युलर बॉयोलॉजिस्ट से बौद्ध भिक्षु बने मैथ्यू रिकार्ड ने शताब्दियों पुराने बौद्ध दर्शन के बौद्धिक संदेशों को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्षों के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया है। उनकी सोच के अनुसार खुश रहना मात्र एक सुखद अहसास, एक सुंदर भाव या एक अच्छे मूड से ही संबंधित नहीं है, बल्कि ये आपका बुनियादी सुखद अस्तित्व है। यह संसार की व्याख्या करने का एक तरीका है। संसार को बदलना मुश्किल होगा, पर संसार को देखने के नजरिए को बदलना तो संभव है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर- रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।

न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

- जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नही करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते है। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।
- टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों - वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।

हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

- स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूर्त रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।
- हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं, जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं।

- माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।
- वसायुक्त एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के दौर के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हे-मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाने तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।
- अब तो गावों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फंसते चले जा रहे हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

- रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है।
- हाल ही में सिंगापुर में हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं।
- स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ-साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक

बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

- तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों की सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।
- सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेच रही हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।
- तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

- पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है।
- लड़कों को अविचारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है।
- महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।

बनें जिम्मेदार नागरिक

जिम्मेदार नागरिकों की हैसियत से हमें अपने रहने के स्थानों में उपवन संस्कृति को फिर से वापस लाना होगा, ताकि खुली हवा में सांस लेते हुए, हम शारीरिक व्यायाम के लाभ उठा सकें। स्कूल, कॉलेजों में खेलकूद और योगाभ्यास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटर बाइक और कार के स्थान पर युवक-युवतियों में साइकिल चलाना एक आधुनिक फैशन के रूप में विकसित करना होगा।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर- शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

जाटव समाज की महापंचायत 18 जून को, तैयारियों को दिया अंतिम रूप

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। जिले के कौलारी थाना इलाके में जाटव समाज में समाज में व्याप्त कुरीतियों को लेकर महापंचायत का आयोजन होने जा रहा है। जाटव समाज के द्वारा महापंचायत का आयोजन जोरावर धाम चितौरा पर किया जाएगा। आयोजन से पूर्व समाज के लोगों द्वारा धौलपुर जिले के गांव गांव ढाणी ढाणी जाकर महापंचायत में पहुंचने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। जाटव समाज से मिली जानकारी के मुताबिक इस महा पंचायत में जाटव समाज में फैली हुई विभिन्न प्रकार की सामाजिक कुरीतियों पर विचार विमर्श कर उनको दूर करने की योजना बनाई जाएगी। साथ ही समाज के द्वारा इन कुरीतियों को बंद करने और समाज को आर्थिक सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र में उन्नति करने के लिए संकल्प लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय होने वाली महापंचायत में काफी संख्या में समाज के लोगों के पहुंचने की संभावना है। पंचायत स्थल की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया है। समाज के लोगों के बैठने के लिए टेंट लगाया गया है। साथ ही गर्मी को देखते हुए कूलर पंखा और पानी की समुचित व्यवस्था की गई है। पंचायत से पूर्व जाटव समाज की महापंचायत को समाज के विभिन्न संगठनों के द्वारा समर्थन दिया गया है। उन्होंने समाज की महापंचायत के ज्यादा ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर महापंचायत को लेकर की जा रही भ्रामक वीडियो पर ध्यान न देने की अपील की है

अवैध शराब बचने वाला आरोपी गिरफ्तार, कब्जे से अवैध शराब बरामद

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। जिले की कौलारी थाना पुलिस ने अवैध शराब बेचने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हरेंद्र सिंह ने बताया कि डीएसटी टीम प्रभारी प्रेमसिंह के द्वारा सैपऊ जाने वाली नहर पर गांव हसेलियान का पुरा के पास नहर पर खोखा में अवैध शराब बेचने की सूचना मिली थी। सूचना पर हैड कांस्टेबल रामप्रकाश के साथ टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने खोखा में अवैध शराब बेचने वाले आरोपी राधेश्याम पुत्र श्री रघुवीर सिह जाट निवासी हसेलियापुरा को गिरफ्तार किया है।आरोपित के कब्जे से 41 बीयर, 29 देशी शराब के पव्वा जब्त किये है। आरोपिय के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

भीषण गर्मी एवं बढ़ते विद्युत भार की मांग को पूरा करने के लिए पॉवर ट्रांसफॉर्मर की क्षमता में की वृद्धि

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। गर्मी की तीव्र लहर के चलते बिजली की खपत में हो रही अमूर्त पूर्व वृद्धि को ध्यान में रखते हुए जयपुर डिस्कॉम द्वारा उपभोक्ताओं को निर्बाध और स्थिर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कदम उठाए जा रहे है। सहायक अभियन्ता एचटीएम जयपुर डिस्कॉम धौलपुर ने बताया कि 33, 11 केवी सब-स्टेशन हाऊसिंग बोर्ड पर स्थापित पॉवर ट्रांसफॉर्मर की क्षमता को 3.15 एमवीए से बढ़ाकर 5 एमवीए कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह उन्नयन कार्य तेजी से पूर्ण किया गया, जिससे ट्रांसफॉर्मर पर पड़ने वाले अतिरिक्त भार को कम किया जा सकेगा और बार-बार ट्रिपिंग व वोल्टेज में उतार-चढ़ाव की समस्याओं से उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। ट्रांसफॉर्मर के उन्नयन से अब बिजली आपूर्ति अधिक सुदृढ़ और भरोसेमंद हो सकेगी और पीक आवर्स में विद्युत मांग को पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि उन्नयन कार्य से पुलिस लाइन, दारा सिंह नगर, हाऊसिंग बोर्ड, मंगल विहार, मयूरी नगर, जिला परिषद, पचगांव व इसके आस-पास के क्षेत्रों के सभी उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। विभाग उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। आगामी दिनों अन्य क्षेत्रों में भी आवश्यकता अनुसार ट्रांसफॉर्मर की क्षमता में वृद्धि व सिस्टम सुधार का कार्य किया जाएगा।

विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

धौलपुर(निसं.)। 220 केवी जीएसएस हिंडौन पर 132 केवी मैनबस का मरम्मत व रख-रखाव का कार्य होने के कारण 15 जून को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। अधिशाषी अभियन्ता 220 केवी जीएसएस राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड भूदेव अवस्थी ने बताया कि 132 केवी जीएसएस बसेड़ी के 33 केवी नदनपुर एवं कंचनपुर, 132 केवी जीएसएस बाड़ी के 33 केवी कंचनपुर एवं मत्सूरा, 132 केवी जीएसएस सरमथुरा के 33 केवी बड़ागांव, झिरी एवं भमपुरा तथा 33 केवी समस्त ग्रामीण फीडरों की 15 जून को प्रातः 6 बजे से 11 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने अजमेर में विभिन्न विकास कार्यों का किया शुभारंभ,

जयपुर(कासं.)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को अजमेर विधानसभा उत्तर क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए कहा कि अजमेर को एक सुंदर, आधुनिक और विरासत संवर्धित स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस क्रम में उन्होंने नया बाजार क्षेत्र में चूड़ी बाजार रोड पर महिलाओं की सुविधा के लिए निर्मित पिंक टॉयलेट का लोकार्पण किया। इसका निर्माण 21 लाख रुपए की लागत से किया गया है। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि महिलाओं को खरीदारी के दौरान होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस कार्य का शिलान्यास करो, उसका लोकार्पण भी करो। उन्होंने बताया कि अजमेर में कैसरगंज, पुरानी मंडी सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी पिंक टॉयलेट का निर्माण किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़े। इसके लिए आईटी पार्क विकसित किया जाएगा। इससे टेक्नोक्रेट्स को स्थानीय स्तर पर अवसर मिलेंगे। साथ ही अटल आवासीय योजना भी जल्द ही प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि अजमेर स्मार्ट और हेरिटेज वैल्यू से समृद्ध शहर बनेगा। श्री देवनानी ने कहा कि आगामी वर्षा में जल भराव की समस्या को ध्यान में रखते हुए आनासागर झील तीन फीट खाली की गई है। इससे मिट्टी गाद, कीचड़ सहित अन्य गंदगी जमा हो गई है। उन्होंने बताया कि आगामी शनिवार को श्रमदान कर झील की मिट्टी व कचरा हटाने का कार्य किया जाएगा। इसमें आमजन की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गांधी भवन का उन्नयन कर वहां बहुमंजिला लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। इसमें वरिष्ठ नागरिकों, स्कूली छात्रों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों और प्रोफेशनल्स के लिए अलग व्यवस्था होगी। श्री देवनानी ने कहा कि गुलामी के प्रतीकों को हटाकर ?तिहासिक महापुरुषों के नाम पर स्थानों के नामकरण की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में क्रिश्चियनगंज का नाम कृष्ण नगर किया जाएगा और एलिवेटेड रोड पर रामसेतु नामक बोर्ड लगाए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान महापौर ब्रजलाता हाडा, उपमहापौर नीरज जैन, शहर अध्यक्ष रमेश सोनी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। वासुदेव देवनानी ने वार्ड संख्या 16 के चटाई मोहल्ला क्षेत्र में 44 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर तबकों का है। इन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर विधानसभा क्षेत्र में करीब 50 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य संचालित हैं और आगामी माह में 100 से अधिक सड़कों का शिलान्यास किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि यदि उनके क्षेत्र में सड़क निर्माण की आवश्यकता हो तो सूचना दें। इससे उस पर कार्य किया जा सकेगा।

OFFICE OF THE GRAM PANCHAYAT KORSEENA PANCHAYAT SAMITI SAMBHAR LAKE (JAIPUR)

S.NO 2024-25/KORSEENA/181-1/208 DATE: 06-06-2025

INVITATION OF TENDER 03/2025-26

On behalf of Governor of Rajasthan invites open tender from eligible contractors/persons for one construction work at P.S. Sambhar Lake (Jaipur) estimated cost Rs. 25.00 Lacs

Details available on www.sppp.rajasthan.gov.in
and www. eproc.rajasthan.gov.in
UBIN: ZJP2526WSOB00832
Tender ID-2025_PRD_476546_1

Sarpanch
Gram Panchayat
KORSEENA

VDO
Gram Panchayat
KORSEENA

OFFICE OF THE GRAM PANCHAYAT KORSEENA PANCHAYAT SAMITI SAMBHAR LAKE (JAIPUR)

S.NO: 2024-25/KORSEENA/181-1/208 DATE: 06-06-2025

INVITATION OF TENDER 03/2025-26

On behalf of Governor of Rajasthan invites open tender from eligible contractors/persons for one construction work at P.S. Sambhar Lake (Jaipur) estimated cost Rs. 25.00 Lacs

Details available on www.sppp.rajasthan.gov.in
and www.eproc.rajasthan.gov.in
UBIN: ZJP2526WSOB00832
Tender ID-2025_PRD_476546_1

Sarpanch
Gram Panchayat
KORSEENA

VDO
Gram Panchayat
KORSEENA

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड -सादुलपुर (राजस्थान) 331023

eephedsadulpur@gmail.com ee.phed.sdlp.chu@rajasthan.gov.in

क्रमांक 395 - 405 & 406-16 दिनांक 09.06.2025

NOTICE INVITING TENDERS FOR WORKS

Online tenders are hereby invited on behalf of the Hon'ble Governor of Rajasthan for the following works from eligible enlisted Contractor/ Firm as per Rules. Details of this tender notification and pre-qualification criteria can also be seen in NIT e&hibited on web site www.dipr.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, and http://eproc.rajasthan.gov.in. Online Tenders are to be submitted on web site. Tender fee shall be submitted through e-GRAS only in respective budget head and bid security as per Anne&ure. Online & Offline Tendar website submitted Last Date & time For submission Up to 16-06-2025 (18.00 hrs)

NIT No.	UBN No.
08/2025-26	PHE2526GSOB03324
09/2025-26	PHE2526GSOB03325
10/2025-26	PHE2526GSOB03326

Executive Engineer,
PHED Division Sadulpur
Contact: 82791-01286
DIPR/C/7795/2025

सर्वसाधारण के नाम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री लक्ष्मीपत सोनी पुत्र स्व. लादूराम सोनी छापरवाल, निवासी सरदारशहर ने अपने मकान के कमरे में कुछ स्टाम्प व सादे पेपर, जिन पर मेरे मुवक्किल के हस्ताक्षर किए हुए थे, जो काफी तलाश पर उन्हें नहीं मिल रहे हैं, कागजात चोरी हो गये हैं, इसलिए आगाह किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति ने उक्त कागजात प्राप्त कर उस पर कोई लिखावट कर कूटरचना की या किसी सम्पति को हथियाने की चेष्टा की, तो उसके खिलाफ कानूनी कायवाही की जावेगी तथा ऐसे दस्तावेज शून्य प्रभावी होंगे, उनका कोई विधिक प्रभाव नहीं होगा ।
मेरे मुवक्किल के मकान का आसा पासा निम्न प्रकार है
उतरः मकान हंसराज किशनलाल सोनी
दक्षिणः रास्ता आम व हिस्सा मोहनलाल सोनी
पूर्वः मकान मालचन्द बाबूलाल दर्जी
पश्चिमः रास्ता आम
दिनांक 13-06-2025

भवदीय
कपिल भामा, एडवोकेट

कार्यालय ग्राम पंचायत ज्याक पंचायत समिति बीदासर (चुरू)

क्रमांक-ग्रा.प. ज्याक / 2025-26 / 51-57 दिनांक- 13.06.2025

खुली निविदा सूचना संख्या 01 (वित्तीय वर्ष 2025-26)

उक्त से संबधित अन्य विस्तृत विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर से NIB NO- ZCR2526A0395, UBN No ZCR2526WSOB00610 के द्वारा Download कर देखा जा सकता है।

प्रशासक
ग्राम पंचायत ज्याक

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत ज्याक

आवश्यक सुचना

मेरा मुवक्किल अमीलाल पुत्र रेवन्ताराम जाति प्रजापत निवासी रैयाटुण्डा तहसील तारानगर जिला चूरू की हिदायतानुसार आम सर्वसाधारण सूचना दी जा रही है-

1. यह कि मेरे मुवक्किल का लड़का मुकेश कुमार मेरे मुवक्किल व उसके परिवार के कहने सुनने में नहीं है अपनी मन मर्जी से गलत कार्य करता रहता है इसलिए मेरा मुवक्किल आज दिनांक 13.06.2025 को अपने पुत्र मुकेश कुमार को अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल करता है तथा आज से पूर्व व भविष्य में मेरे मुवक्किल का पुत्र मुकेश कुमार किसी भी व्यक्ति के साथ कोई लेन देन व संव्यवहार किया है या करेगा तो मेरे मुवक्किल की किसी भी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। जिसका जिम्मेदार मुकेश कुमार होगा मेरा मुवक्किल का आज से अपने पुत्र मुकेश कुमार से कोई संबंध नहीं रहा है।
सूचित हो !
स्थानः तारानगर

पवन कुमार योगी
एण्डवोकेट,
तारानगर जिला चूरू

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DN RATANGARH

No:-346-359 Date: 26.05.2025

Notice Inviting Bid No 04/2025-26

Bids for 5 (Five Nos) work are invited from interested bidders upto 06.00 PM dated 20.06.2025 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http:// eproc. rajasthan.gov.in/http://sppp.raj.nic.in) of the state and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 1295.10 Lacs

NIB NO PWD2526A0838
UBN No:-
1. PWD 2526 WSOB 02692
2. PWD 2526 WSOB 02694
3. PWD 2526 WSOB 02696
4. PWD 2526 WSOB 02698
5. PWD 2526 WSOB 02700

DIPR/C/7203/2025
Executive Engineer
PWD Dn. Ratangarh

सीएसआर कार्यशाला एवं जल उपयोग अंकेक्षण सहित विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का प्रारंभ 5 जून से किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संग्रहण, पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण, जनसहभागिता से स्वच्छता तथा जागरूकता को बढ़ावा देना है। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि अभियान 5 जून से 20 जून, 2025 तक मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 14 जून शनिवार को उद्योग विभाग द्वारा सीएसआर कार्यशाला आयोजित करना मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.2 अन्तर्गत राज्य मद से अनुमोदित कार्यो हेतु गैप फंडिग के लिए प्रेरित करना, जल उपयोग अंकेक्षण, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत कार्यो का अवलोकन एवं स्वीकृति, औद्योगिक संस्थानों, निजी एवं सरकारी कार्यालयों को ग्रीन ऑफिस इनिशिएटिव, एनर्जी ऑडिट एवं ग्रीन बजट के बारे में जानकारी देना, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा मीडिया राउण्ड टेबल जल संग्रहण एवं संरक्षण के करवाएं जा रहे कार्यो के महत्व से मीडिया को अवगत करना, 15 जून रविवार को खेल विभाग एवं नेहरू युवा केन्द्र, स्वयंसेवी संस्था, शिक्षा विभाग द्वारा जिला प्रशासन द्वारा जल एवं पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता हेतु निबंध लेखन, नारा लेखन, चित्रकला, खेलकूद प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक का आयोजन, 16 जून सोमवार को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण राजीविका विभाग द्वारा नवीन अमृत सरोवर का शुभारंभ, नए जल संग्रहण एवं जल संरक्षण संरचनाओं के कार्यो का शुभारंभ एवं पूर्ण कार्यो का अवलोकन, हरियालो राजस्थान अन्तर्गत पौधारोपण कार्यो की अग्रिम तैयारी, प्राचीन तालाब, जोहड़ इत्यादि की साफ-सफाई एवं मरम्मत, पंचायत पौधशाला एवं जल मियांवाकी पौधारोपण एवं विशेष कार्यक्रम, औरण का चिन्हीकरण एवं घास बुआई की पूर्व तैयारी, चारागाहों का चिन्हीकरण एवं पौधारोपण कार्यो की अग्रिम तैयारी, हरियालो राजस्थान अन्तर्गत अन्य पौधारोपण कार्यो की अग्रिम तैयारी, कर्मभूमि एवं मातृभूमि अभियान के तहत कार्यो का अवलोकन एवं स्वीकृति, ग्राम के सभी जल स्त्रोतों की मैपिग, साफ-सफाई एवं मरम्मत, सोख्ता गढढो की साफ-सफाई, गांवो के मुख्य मार्गो, चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, राजीविका के ग्राम संगठन एवं सीएलएफ कार्यालयों में स्वच्छता अभियान का आयोजन एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा सरकारी भवनों में स्थित आरटीडब्ल्यूएचएस की साफ-सफाई एवं रोड़ साईड पौधारोपण हेतु अग्रिम तैयारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यालय जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण खैरथल - तिजारा

कमांकः सीईए / पैथ लैब / 2025 / 1550 दिनांक- 12/06/2025

सूचना

आमजन को सूचित किया जाता है कि नैदानिक स्थापन के अन्तर्गत पैथलैब के स्थाई रजिस्ट्रीकरण हेतु न्यूनतम मानक की अनुपालना के संबंध मे विस्तृत सूचना प्राधिकरण की बेवसाईट www.clinicalestablishments.gov.in पर उपलब्ध है। उक्त पैथलैब के द्वारा न्यूनतम मानक की अनुपालना की सूचना गलत प्रेषित की गई है, के संबंध मे यदि किसी व्यक्ति द्वारा आपत्ति प्रेषित की जानी है, तो उसके द्वारा प्राधिकरण की ई-मेल आई.डी. rchkha@rediffmail.com पर 30 दिवस मे मय प्रमाण के सूचित करे ।

पैथलैब का नाम रिषी डायग्नोस्टिक सेन्टर पता नियर सरकारी अस्पताल बतरा कॉलोनी गंज रोड किशनगढ़बास जिला खैरथल - तिजारा

डॉ. अरविन्द गेट संयोजक
जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण एवं
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
खैरथल - तिजारा

कार्यालय ग्राम पंचायत घटियाल बडी
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांक- ग्रापं घटियाल बडी/2025-26/41-48 दिनांक- 12.06.2025

ई- निविदा सूचना संख्या 03 /2025-26

इस कार्यालय के निम्नानुसार कार्य को सम्पादित करने हेतु पहली वर्षाकाल समाप्ति पश्चात एकवर्ष की डिफेक्टिव लाईब्लिटिज के साथ उपयुक्त श्रेणी के राजस्थान / केन्द्र सरकार में पंजीकृत संवेदको से ई-टेण्डर प्रक्रिया के द्वारा ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उक्त निविदा SPPPPortal पर Upload कर दी गयी हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम व विवरण	अनुमानित राशि (रूपये)	धरोहर राशि (रूपये)
1	फैलियर ट्यूबेल के स्थान पर नया ट्यूबेल निर्माण धोरा मानपुरा ग्राम पंचायत घटियाल बडी	999000	20000
2	ऑनलाइन फार्म डाउनलोड व जमा/अपलोड करने की तारीख	12.06.2025 प्रात 10.00 बजे से 19.06.2025 दोपहर 1 बजे तक	
3	धरोहर राशि, निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग फीस डी. डी. / बैकर्स चैक एवं अन्य मूल कागजात कार्यालय में जमा कराने की तारीख	19.06.2025दोपहर 2 बजे तक	
4	ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	19.06.2025दोपहर 3 बजे से	

उक्त से संबधित अन्य विस्तृत विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर से NIB NO ZCR252600394 UBN No ZCR2526WSOB00609 द्वारा Download कर देखा जा सकता है।

प्रशासक
ग्राम पंचायत घटियाल बडी
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत घटियाल बडी
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग नगर खण्ड-द्वितीय

कमांक- 827 दिनांक-03-6-25

निविदा सूचना संख्या- 19 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जयपुर स्थित राजकीय भवनों में विभिन्न मरम्मत एवं निर्माण कार्य हेतु सा.नि.वि. में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदक एवं केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूर संचार, रेल्वे या अन्य राज्य सरकार/ केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, से निर्धारित परिपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाइट www.dipr.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

क्रसं	कार्य का नाम	बजट मद/ जोब नंबर	UBN No.
1	Day to Day and Urgent Emergency Repair and Maintenance work at J.K. Lon Hospital, Jaipur (Painting work)	8443-00-108-00-00	PWD2526WSOB03464
2	Various Repair and maintenance work in Residential Minister and Raj Bhawan under PWD City Dn.-II, Jaipur Sub Dn. Heera Bagh (Painting work)	2216-05-053-01-05-21	-
3	Various Repair and maintenance work in Residential Minister and Raj Bhawan under PWD City Dn.-II, Jaipur Sub Dn. Heera Bagh (Joinery work)	2216-05-053-01-05-21	-
4	Various Repair and maintenance work in Residential Minister and Raj Bhawan under PWD City Dn.-II, Jaipur Sub Dn. Heera Bagh (Water Tank Cleaning work)	2216-05-053-01-05-21	-
5	Various Repair and maintenance work in Residential Minister and Raj Bhawan under PWD City Dn.-II, Jaipur Sub Dn. Heera Bagh (Civil work)	2216-05-053-01-05-21	PWD2526WSOB03466
6	Various Repair and maintenance work in Residential Minister and Raj Bhawan under PWD City Dn.-II, Jaipur Sub Dn. Heera Bagh (Sanitary work)	2216-05-053-01-05-21	PWD2526WSOB03469
7	Repair and maintenance work at Qtr. No. 20F Heera Bagh Jaipur (Civil work)	2216-01-700-10-90-16	PWD2526WSOB03471
8	Repair and maintenance work at Qtr. No. 20F Heera Bagh Jaipur (Joinery work)	2216-01-700-10-90-16	PWD2526WSOB03475
9	Repair and maintenance work at Qtr. No. 20F Heera Bagh Jaipur (Sanitary work)	2216-01-700-10-90-16	PWD2526WSOB03478

DIPR/C/7697/2025
अधिशाषी अभियन्ता,
सा0नि0वि0 नगर खण्ड-2, जयपुर

भगवान सिंह रोलसाहबसर की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। कस्बे के नोखा रोड स्थित सेन मंदिर में शुक्रवार को राजपूत कोटडी के श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक भगवान सिंह रोलसाहबसर की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा हुई। सभा में समाज बंधुओं के साथ सर्वसमाज के लोगों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभा में उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा करते हुए उन्हें यादि किया और कहा कि भगवानसिंह के संस्कार व शिक्षा को अंगीकार करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस मौके पर प्रधान संतोष मेघवाल,भंवरसिंह बम्बू,महेंद्र सिंह ईयारा, सरपंच नाथूसिंह, विक्रम सिंह ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश सोनी,पार्षद ललित माली, सांवरमल सेन, कैप्टन विजय सिंह बेनाथा, भंवरसिंह राठौड़, शक्ति सिंह, गुलाब सिंह राजेंद्र सिंह शेखावत,प्रेमसिंह बेनाथा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन बेगसिंह दुंकर ने किया।

पालिका ने एफएसटीपी प्लाट पर सफाई कर किया पौधारोपण

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत शुक्रवार को पालिका उपखण्ड अधिकारी अमीलाल यादव की अध्यक्षता में नगरपालिका की ओर से माणकसर तालाब के पालिका का एफएसटीपी प्लाट पर सफाई कर पौधा रोपण किया गया। कार्यवाहक ईओ पूनमचंद नाई के निर्देश पर कस्बे के बेरी चौक में नो प्लास्टिक दिवस मनाया गया।जिसमें व्यापारियों को कपड़े के थैले वितरण कर उनको जल संरक्षण जल अभियान की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर पालिका कनिष्ठ अभियंता मुकेश कुमार स्वामी प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, जल संरक्षण व अधिकाधिक पौधरोपण कर पर्यावरण को शुद्ध करने की अपील की। इस दौरान दयाल, नरेश तेजी, शकील, विजेश रेगर, अमित, मनीषा आदि उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर में युवाओं ने दिखाया उत्साह

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। कस्बे के बालाजी हॉस्पिटल में अभिषेक ढुकिया की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सालासर व्यापार मंडल अध्यक्ष राजकुमार ढाका ने बताया कि सीकर की दो ब्लड बैंक टीमों ने शिविर में रक्त संग्रहण किया। शिविर में 105 यूनिट ब्लड संग्रहण किया गया। इस दौरान डॉक्टर घीसालाल थालोड़, डॉ जितेंद्र कुमार थालोड़, मनोज कुमार कस्वा ,सीकर बस यूनियन अध्यक्ष गोपाल ढाका, महेश कस्वा, रामरतन ढुकिया, मनोज कोलासर टिकुराम ढाका, नरेंद्र गुलरिया, जगदीश ठेकेदार, राम किशन प्रजापत, रामरूप ढाका सहित अनेक लोगों ने शिविर में मदद की व्यापार मंडल अध्यक्ष राजकुमार ढाका ने कहा कि सबसे बड़ा दान रक्तदान होता है। रक्तदान करने से शरीर स्वस्थ रहता है, सबसे महत्वपूर्ण लाभ यह है कि आप एक जीवन बचा रहे हैं। रक्तदान से कई बीमारियों का इलाज किया जा सकता है। रक्तदान करके आप एक महान कार्य कर रहे हैं और आप समाज को एक मजबूत और स्वस्थ बनाने में मदद कर रहे हैं। रक्तदान शिविर में कई लोग रक्तदान करते हैं। यह एक बहुत ही अच्छा दृश्य जब हम देखते हैं कि लोग एक दूसरे की मदद के लिए आगे आते हैं। रक्तदान करना एक जीवन बचाने का सबसे अच्छा तरीका है।

मरम्मत की बजाय वाल टू वाल सड़क बनाने का आरोप, जांच शुरू

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। भाजपा नेता नरेंद्र गुर्जर की शिकायत पर नगरपरिषद के सहायक अभियंता विक्रम जोरवाल ने सीवरेज द्वितीय फेज का कार्य कर रही कंपनी मैसर्स ईएमएस लि. गाजियाबाद से दस्तावेजात उपलब्ध करवाने के लिए कहा है। सहायक अभियंता की ओर से जारी पत्र में बताया गया है कि आपकी फर्म की ओर से अमृत 2 के तहत सीवरेज के दूसरे फेज का कार्य किया जा रहा है। जिसके बारे में भाजपा नेता नरेंद्र गुर्जर की शिकायत मिली है कि अनेकों गलियों में कुछ कांग्रेस नेताओं के साथ मिलीभगत कर चंद लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए तोड़ी गई सड़कों की मरम्मत करने के बजाय पूरी की पूरी सड़कें नई बना दी गई और सरकारी धनराशि का दुरूपयोग किया गया। शिकायत में उन गलियों का जिक्र किया गया है, जहां पर मरम्मत के बजाय नई सड़कें पूरी की पूरी बना दी गई। सहायक अभियंता ने फर्म से अब तक तोड़ी गई सड़कों की सूची तथा चैम्बर, लाईन आदि लगाने के बाद मरम्मत की गई सड़कों की सूची मांगी है, ताकि आगामी कार्यवाही की जा सके।

कोलीवाला गांव को मिली एक और बड़ी सौगात, बाजौर के प्रयासों से बनेगी नई सड़क

जयपुर टाइम्स

पाटन(निस)। नीमकाथाना विधानसभा क्षेत्र के कोलीवाला गांव के लिए एक बेहद राहतभरी और ऐतिहासिक सौगात सामने आई है। सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर की अनुशंसा पर कोलीवाला से बोसेरा होते हुए डूगां की नांगल तक नई सड़क का निर्माण किया जाएगा। एक करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली यह सड़क मिसिंग लिंक योजना के अंतर्गत सार्वजनिक निर्माण विभाग की देखरेख में बनाई जाएगी। तीन किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण से क्षेत्रवासियों को आवागमन में बड़ी सहूलियत मिलेगी। अनिल सिंह कोलीवाला ने जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल पाटन से कोलीवाला पहुंचने के लिए लोगों को 11 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, लेकिन इस सड़क के बन जाने से यह दूरी सिर्फ 7 किलोमीटर रह जाएगी। इतना ही नहीं, हाल ही में पंचायत पुनर्गठन के तहत कोलीवाला गांव को श्यामपुरा से हटाकर डूगां की नांगल पंचायत में शामिल किया गया है। इससे पंचायत मुख्यालय की दूरी अब मात्र 2 किलोमीटर रह जाएगी, जिससे प्रशासनिक और सामाजिक कार्यों में गति आएगी।गौरतलब है कि बाजौर की सक्रियता और जनकल्याण के प्रति समर्पण भाव के चलते नीमकाथाना क्षेत्र में पांच करोड़ की लागत से 15 किलोमीटर लंबी सात नई सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है। इससे पहले भी कोलीवाला गांव में राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन सिंह के सांसद कोटे से उप स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना करवाई गई, जो वर्तमान में ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं दे रहा है। गत माह कोलीवाला निवासी व राजस्थान पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन के प्रदेश प्रवक्ता अनिल सिंह तंवर, श्यामपुरा सरपंच कृष्ण कुमार गुर्जर व युवा भाजपा नेता रामसिंह दासाला ने बाजौर से मुलाकात कर सड़क और जल जीवन मिशन से जुड़ी समस्याएं उनके समक्ष रखी थीं। बाजौर ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तुरंत प्रभाव से समाधान के लिए प्रयास शुरू किए, जो अब साकार होते नजर आ रहे हैं। इस ऐतिहासिक सौगात के लिए कोलीवाला ग्रामवासियों ने प्रेम सिंह बाजौर का हृदय से धन्यवाद और आभार प्रकट किया है। उनका कहना है कि बाजौर के प्रयासों से गांव का कायाकल्प हो रहा है और वे सच्चे जनसेवक के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

फोरेस्ट गार्ड की संदिग्ध मौत, मिला शव

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। ताल छापर अभ्यारण्य में फॉरेस्ट गार्ड के पद पर कार्यरत दयाराम स्वामी मूल निवासी बिलू की ढाणी, सरदारशहर, आयु 59 वर्ष, का शव अभ्यारण्य की रामपुर चौकी पर संदिग्धावस्था में मिला है। जानकारी के अनुसार अभ्यारण्य में काम कर रहा ट्रैक्टर चालक हरिराम सुबह करीब सवा नौ बजे पानी पीने के लिए चौकी पर आया, तब उसने दयाराम को मृत देख, कर रेंजर उमेश बागोतिया को सूचना दी। सूचना मिलते ही रेंजर उमेश बागोतिया, सुजानगढ़ रेंजर ओकेश यादव व स्टाफ सदस्य मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। जिस पर एएसपी दिनेश कुमार, डीएसपी दरजाराम बोस, छापर थाना प्रभारी गीतारानी, सांडवा थाना प्रभारी करतार सिंह, बीदासर थाना प्रभारी कैलाश यादव जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। चूरू से एफ एस एल टीम भी मौके पर पहुंची। एफ एस एल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। चूरू से डीएफओ वीरेंद्र कृष्णिया भी मौके पर पहुंचे। छापर नगरपालिका अध्यक्ष श्रवण माली, आबसर के पूर्व सरपंच केशव दास, गुलेरिया सरपंच प्रतिनिधि करणी सिंह, गोपालपुरा उप सरपंच गणपतदास स्वामी, सामाजिक कार्यकर्ता कन्हैया लाल स्वामी, राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र किलक भी मौके पर पहुंचे। टीम हारे का सहारा के श्याम स्वर्णकार की मदद से शव को अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट किया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

पूर्व सैनिक संगठनों ने उठाई जांच की मांग; 9 अप्रैल से लापता हैं सीआरपीएफ जवान

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। सीआरपीएफ जवान मनोज कुमार नेतड़ की गुमशुदगी मामले में कार्यवाही नहीं होने पर लोगों ने आक्रोश जताया है। सीआरपीएफ का एक कॉन्स्टेबल दो महीने से लापता है। पुलिस अभी तक गुमशुदा जवान की तलाश नहीं कर पाई है। ऐसे में पूर्व सैनिकों के संगठनों में गुस्सा फूट पड़ा। मामला झुंझुनूं जिले का है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में पहुंचकर पूर्व सैनिकों ने जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। दरअसल झुंझुनूं के भोड़की गांव निवासी सीआरपीएफ कॉन्स्टेबल मनोज कुमार 9 अप्रैल 2025 को सुबह 9.15 बजे अपने गांव से ग्रेटर नोएडा के लिए रवाना हुए थे। वे झुंझुनूं के भोड़की गांव निवासी सीआरपीएफ कॉन्स्टेबल मनोज कुमार नेतड़ 9 अप्रैल 2025 को सुबह 9.15 बजे अपने गांव से ग्रेटर नोएडा के लिए रवाना हुए थे। वे छुट्टी के बाद ड्यूटी पर जा रहे थे। 9 अप्रैल की शाम 5.50 बजे उनके दिल्ली में होने के इनपुट मिले, लेकिन इसके बाद मनोज का कुछ पता नहीं चला। परिजन और पूर्व सैनिकों का कहना है कि दो महीने से मनोज लापता है। अब चिंता हो रही है। मनोज का पता लगाने के लिए जांच की मांग की है। इस दौरान भूतपूर्व सैनिक न्याय समिति के अध्यक्ष कैलाश सुरा, पूर्व सैनिक संघ के महासचिव कैप्टन अमरचंद खेदड़, कैप्टन महेंद्र सिंह झाझडिया, कैप्टन रामनिवास नेतड़, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष सूबेदार मेजर धर्मपाल भांभू, कैप्टन सीताराम धिवा, सूबेदार अमर सिंह खीचड़, वारंट ऑफिसर रामेश्वर सिंह बाटड़ मौजूद रहे। साथ ही सीआरपीएफ संगठन के इंस्पेक्टर विद्याधर सिंह दुलड़, सब इंस्पेक्टर नरेंद्र सिंह, विनोद मुंड, हवलदार रतिराम कसवा, विजय कुमार, आशीष कुमार मील, अजय सिंह बुढ़ानिया, अमरपाल खीचड़, सुनील कुल्हारी, सुभाष कुमावत, अनीता देवी, प्रतिभा, सुमन देवी, सुभिता देवी, राकेश मिल, विजय सिंह, शिवराम सिंह झाझरिया, विवेक पूनिया भी शामिल रहे।

महिलाओं को दी सीवरेज परियोजना की जानकारी

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। शहर के वार्ड संख्या 9 में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर महिलाओं की बैठक का आयोजन शुक्रवार को किया गया। आरयूआईडीपी के एक्सईएन आरडी गर्ग के निर्देशन में हुई बैठक में प्रवीण सिंह राठौड़ ने सीवरेज परियोजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घर-घर सीवरेज कनेक्शन का कार्य निशुल्क चल रहा है, जिसमें स्नानघर, रसोई, शौचालय आदि को जरूर जुड़वाए और स्नानघर, रसोई में जाली अवश्य लगाए। जाली नहीं लगाने से प्लास्टिक के सामान या फिर अन्य ठोस वस्तु लाइन में जाकर अवरोध पैदा कर सकती है। कनेक्शन के बद नालियां सुखी व साफ रहेगी। स्वच्छता में बेहतर बदलाव आएगा। साथ ही गैनाणी में ड्रेनेज के कार्य से जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। इस मौके पर प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग कर नालियों में नहीं डालने व कपड़े के थैले का अधिक से अधिक प्रयोग करने का आह्वान किया गया। आंगनबाड़ी सहायिका मनिता गाडगिल ने आगंतुकों का आभार प्रकट किया। आरजीआई कंपनी के मनीष नवल के संचालन में हुए कार्यक्रम में वार्ड की कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

जितेंद्र इंदौरिया बने गॉड ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। कस्बे के वार्ड 6 स्थित थलिया हवेली में शुक्रवार को सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि शशिकांत जोशी लक्ष्मणगढ़, अध्यक्षता गणेश चैतन्य महाराज, अति विशिष्ट अतिथि भाजपा युवा नेता संदीप शर्मा, राजकुमार शर्मा राजकुमार मिश्रा कैलाश सुरोलिया, मानक जोशी, सुनील जोशी, बलवीर थलिया, दीपक शर्मा, नवदीप भूतिया, योगेश भूतिया, कृष्ण थलिया, वासुदेव शर्मा आदि मौजूद रहे। गॉड ब्राह्मण युवा जिला अध्यक्ष पद पर जितेंद्र इनोरिया मंडावा को मनोनीत किया। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष राजेश गॉड व हरिराम शर्मा ने की है। इसी कार्यकाल में कार्यकारिणी विस्तार करते हुए जिला शिक्षा प्रकोष्ठ के मंत्री युवा प्रकोष्ठ पद पर मनोज नरेडा को नियुक्त किया गया। इसी कड़ी में विमान हादसे में गए सभी को ब्राह्मण समाज की ओर से 2 मिनट का मौन धारण कर आत्म शांति का भगवान से प्रार्थना की गई।

लैंस प्रत्यारोपण शिविर 22 को, पोस्टर का विमोचन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। द् यंग्स क्लब ऑफ सुजानगढ की ओर से 22 जून को आयोजित होने वाले नि:शुल्क नेत्र जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर के पोस्टर व पेम्पलेट का विमोचन शुक्रवार को यंग्स क्लब ट्रस्ट सभागार में भामाशाह रामअवतार -सुशीला देवी क्याल की ओर से किया गया। क्लब के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा ने बताया कि भामाशाह रामअवतार, सुशीला देवी क्याल की प्रेरणा से उनके पुत्रों पवन, सुरेश, राजकुमार क्याल के सौजन्य से आयोजित होने वाले शिविर में डॉ मोहन जैन आई हॉस्पिटल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अपूर्व कोटिया की ओर से नेत्र रोगियों की नि:शुल्क जांच करके मोतियाबिंद रोग के आपरेशन लायक रोगियों का चयन किया जाएगा। चयनित नेत्र रोगियों के नि:शुल्क लैंस प्रत्यारोपण डॉ. कोटिया द्वारा डॉ. मोहन जैन आई हॉस्पिटल में नि:शुल्क किए जाएंगे। शिविर द् यंग्स क्लब ट्रस्ट सभागार सुजानगढ में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर दानमल शर्मा, निर्मल बोकड़िया, हाजी मोहम्मद, गोपाल चोटिया, ललित सोनी, गिरधर शर्मा, योगेन्द्र भोजक, निरंजन पीपलवा, सुरेश क्याल, रुतवी क्याल आदि मौजूद रहे। अंत में गुरुवार को अहमदाबाद विमान दुर्घटना के मृतकों को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

प्रचंड गर्मी में विद्युत निगम कर रहा जले पर नमक छिड़कने का काम, विद्युत कटौती से हाल बेहाल

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। प्रचंड गर्मी के इस दौर में शुक्रवार दोपहर बिना बिजली के लोग काफी परेशान रहे। शहर में स्थित 220 केवी जीएसएस में तकनीकि खराबी आने के कारण बिजली आपूर्ति में व्यवधान उत्पन्न हुआ, जो डेढ़ घंटे बाद दुरूस्त हुआ। दोपहर में डेढ़ बजे बिजली आपूर्ति बंद हुई, जो शाम को तीन बजे सुचारू हो सकी। तीन बजे बाद भी कई क्षेत्रों में वोल्टेज की अपडाउन की समस्या से भी लोगों को रूबरू होना पड़ा, जिसके चलते कई घरों में बिजली उपकरण नकारा हो गए। जोधपुर डिस्कॉम के कनिष्ठ अभियंता राकेश जोशी ने बताया कि 220 केवी जीएसएस में अचानक आई तकनीकि खराबी के चलते 132 केवी जीएसएस रतनगढ़ व चूरू ठप्प हो गया, जिससे चूरू व रतनगढ़ शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में डेढ़ घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रही। बिजली बंद रहने से पड़िहारा, राजलदेसर व छापर कस्बे के उपभोक्ता भी प्रभावित हुए। गर्मी के मौसम में बिजली नहीं रहने से लोग काफी परेशान रहे। गुरुवार की रात भी बिजली की आवाजाही से उपभोक्ताओं को परेशानी उठानी पड़ी। वहीं शुक्रवार दोपहर तीन बजे बिजली आपूर्ति सुचारू हुई, तो उसके बाद कई क्षेत्रों में वोल्टेज की समस्या देखने को मिली।

बड़ागांव ग्राम पंचायत के सरपंच को बहाल करने के आदेश

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू/ बड़ागांव(निस)। हाईकोर्ट ने सरपंच संतोष देवी को पुनः बहाल करने के दिए आदेश, पंचायती राज विभाग के 21 मई 2025 के आदेश पर रोक लगा दी है। अवकाशकालीन जज जस्टिस गणेशराम मीणा की एकलपीठ ने दिए आदेश, पट्टो में अनियमितता के आरोप में किया निलंबित किया गया था। एडवोकेट सारांश सैनी, नरेश कटारिया ने मामले में पैरवी करते हुए कहा कि पुराने कार्यकाल में हुए कार्य के लिए किया गया है गलत निलंबन, वर्ष 2010 से 2015 के कार्यकाल में अनियमितता के आधार पर किया था निलंबित। केवल राजनीतिक प्रतिशोध को लेकर निलंबन की कार्यवाही की गई।

मंडावा में सड़क निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करवाने की मांग

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। कस्बे के वार्ड संख्या 2 में पीडब्लूडी विभाग की ओर चल रहे सड़क निर्माण कार्य को मौहल्ला के लोगों शीघ्र पूरा करवाने की मांग की है। वार्डवासियों ने तहसीलदार मंडावा व सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता को ज्ञापन देकर कहा कि वार्ड संख्या 2 में सड़क निर्माण कार्य गत दस दिनों से बंद पड़ा है। कस्बे के कुछ असमाजिक तत्वों सड़क निर्माण कार्य को राजनैतिक द्वेषता के चलते बंद करवा दिया था। वार्डवासियों ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य सही ढंग से किया जा रहा था। इसालिए सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में पार्षद संदीप परिहार, पाषेद शमशाद बॉनो, भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, अम्मीलाल मील, अनिता, वीरसिंह भंवरी देवी, जाकिर, मुरारी लाल कुमावत, मंजू देवी, विक्रम, राजकुमार, गणेश, अशोक कुमार, चन्दा देवी, रमजान,जाबेर खान, मुमताज खा, अबास खान इरफान खान, ज्ञानचंद कुमावत, तम्मना खान, राजकुमार, रोशन, समशाद बानो, हर्ष, विक्रमसिंह यादव, विकास यादव, जाकीर फौजी, बिंदू देवी, खातून आदि मौहल्लवासी उपस्थित रहे।

मृतक आश्रितों को मुआवजा राशि स्वीकृत

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर चूरू के पुराना वार्ड नंबर 19 (नए वार्ड नंबर 27), व्योपारियान मोहल्ला निवासी तनवीर अहमद की विदेश में मृत्यु हो जाने के कारण 'विदेशों में दुर्घटना ग्रस्त भारतीय' सरकारी बजट हैड से 01 लाख 96 हजार 619 रुपए मुआवजा राशि स्वीकृत की है। जारी आदेश के अनुसार तनवीर अहमद की विदेश में मृत्यु हो जाने के कारण 'विदेशों में दुर्घटना ग्रस्त भारतीय' सरकारी बजट हैड से 1 लाख 96 हजार 619 रुपए मुआवजा राशि मृतक की पत्नी सकिला के बैंक खाता में जमा कराने की स्वीकृति जारी की गई है। चूरू तहसीलदार की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह मुआवजा राशि स्वीकृत की गई है। इसी तरह जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर जिले के सरदारशहर के वार्ड नंबर 40, मक्का मस्जिद निवासी मोहम्मद शकील भाटी की विदेश में मृत्यु हो जाने के कारण 'विदेशों में दुर्घटना ग्रस्त भारतीय' सरकारी बजट हैड से 56 हजार 738 रुपए मुआवजा राशि स्वीकृत की है। जारी आदेश के अनुसार मोहम्मद शकील भाटी की विदेश में मृत्यु हो जाने के कारण 'विदेशों में दुर्घटना ग्रस्त भारतीय' सरकारी बजट हैड से 56 हजार 738 रुपए मुआवजा राशि मृतक की पत्नी रूखसार के बैंक खाता में जमा कराने की स्वीकृति जारी की गई है। सरदारशहर तहसीलदार की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह मुआवजा राशि स्वीकृत की गई है।

चित्रों के माध्यम से बताया जल संरक्षण का उपयोग

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में नई पेयजल वितरण प्रणाली का कार्य कर रही राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के चतुर्थ चरण में आमजन की सुविधा के लिए जल प्रदाय तंत्र में सुधार और विकास के लिए विभिन्न आधारभूत कार्य और जन सहभागिता सुनिश्चित करने के लिये विभिन्न जन जागरूकता के कार्य भी समय-समय पर करवाए जा रहे हैं। इसी क्रम में आरयूआईडीपी के अधिशाषी अभियंता मनोज कुमार मित्तल व सहायक अभियंता दिनेश कुमार के निर्देशन में शुक्रवार को आमजन में जनचेतना के माध्यम से परियोजना संदेश देने के लिये आरयुआईडीपी के सहायक सामाजिक विकास अधिकारी विकास शर्मा ने बुकलसर बास में आंगनबाड़ी केन्द्र पर महिलाओं के साथ जल अंकेक्षण का कार्यक्रम रखा। कार्यक्रम में जल का घर में सदुपयोग कितना किया जाता है, उसके बारे में महिलाओं ने चित्रों के माध्यम से जाना। उपस्थित महिलाओं ने नये पानी के मीटर के फायदे व इसके रख रखाव के बारे में व जल संरक्षण के तरीके व परियोजना के तहत की जाने वाली जल सप्लाई से समय की बचत के बारे में और पानी पूर्णतया प्रेशर से आने के बारे में जानकारी दी और ये भी बताया कि बूस्टर पम्प लगाने की आवश्यकता नहीं रहेगी व भविष्य में मिलने वाले लाभ के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर कार्यक्रम में किरण, गीता, ललिता, डिम्पल, हंशिका, सजिता, वंदना, पिंकी उपस्थित रही।

कल्याणपुरा में मानवता की उल्लेखनीय मिसाल

भूमिहीन परिवार को युवाओं ने दिलाई जमीन, 90 हजार रुपए जुटाए

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के कल्याणपुरा गांव में युवा शक्ति संगठन ने एक गरीब परिवार की मदद कर मानवता की मिसाल पेश की है। संगठन ने एक भूमिहीन परिवार को घर बनाने के लिए जमीन दिलवाई है। युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष हंसराज जाखड़ के अनुसार मेघाराम नायक का परिवार गरीबी में जीवन बिता रहा है। उनके तीन बच्चे दिव्यांग हैं। परिवार में कोई कमाने वाला नहीं है। संगठन के युवाओं और पंचायत के जागरूक युवाओं ने मिलकर 90 हजार रुपए इकट्ठा किए। इस राशि से मेघाराम को घर बनाने के लिए जमीन खरीदी गई। शुक्रवार को संगठन के सदस्यों ने मेघाराम नायक को जमीन के दस्तावेज सौंप दिए। जाखड़ ने कहा कि संगठन गांव में हर प्रकार के सामाजिक सहयोग और जनहित के कार्यों के लिए हमेशा तैयार रहेगा। यह पहल समाज में एकजुटता का संदेश देती है। साथ ही यह दर्शाती है कि युवाओं के प्रयास से कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती।

प्रो. मूलचन्द शिक्षाविद् शिरोमणि मानद उपाधि से सम्मानित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजकीय लोहिया महाविद्यालय चूरू के संस्कृत के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मूलचन्द को संस्कृत साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर 12 जून को दिल्ली के हरियाणा भवन में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मंजीत सिंह दहिया ने बताया कि काशी हिंदी विद्यापीठ वाराणसी के कुलपति डॉ. संभाजी बाविस्कर ने माल्यार्पण कर, प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर व षॉल ओढ़ाकर प्रो. मूलचन्द का सम्मान किया। ज्ञात रहे कि प्रो. मूलचंद इससे पूर्व भी विद्या वाचस्पति, विद्यासागर, इत्यादि उपाधियों से सम्मानित हो चुके हैं। वर्तमान में उनके संस्कृत विषय के प्रति अनुराग व कर्तव्यनिष्ठ होने के उपलक्ष में यह सम्मान प्रदान किया जाएगा।बता दें कि शिक्षा के क्षेत्र में यह सर्वोच्च मानद उपाधि है। प्रो. मूलचंद ने संस्कृत साहित्य में अनेक रिसर्च पेपर, लघु शोध परियोजना के साथ-साथ लेखन कार्य भी किया है। राष्ट्रीय- अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लेकर शोध पत्रों का वाचन कर विषय को और अधिक रुचिकर व मजबूत बनाया है।

देवस्थान आयुक्त का महत्वपूर्ण फैसला

संत देवादास महाराज सरदारशहर दादूद्वारा के महंत व ताल ट्रस्ट अध्यक्ष घोषित

सांभर निवासी नरेंद्र कुमार ने दी थी चुनौती

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के ताल मैदान स्थित हनुमान मंदिर व दादूद्वारा के महंत और ताल ट्रस्ट के अध्यक्ष के विवाद में आयुक्त देवस्थान विभाग उदयपुर ने निर्णय देते हुए संत देवादास महाराज को दादूद्वारा का महंत व ताल ट्रस्ट का वैध अध्यक्ष होना घोषित किया है। आयुक्त ने अपीलार्थी नरेन्द्र स्वामी का कोई हक अधिकार नहीं मानते हुए उसकी ओर से प्रस्तुत अपील को खारिज कर दिया है। जानकारी के अनुसार स्थानीय प्रीतमदास दादूपंथी ताल भूमि ट्रस्ट की कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर संत देवादास महाराज व संयोजक शोभाकांत स्वामी सहित अन्य ट्रस्टियों की नियुक्ति की गई थी। सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग बीकानेर की ओर से जांच कर अपने निर्णय 15 मार्च 2018 की ओर से ट्रस्ट की उक्त कार्यकारिणी को सही व वैध ठहराया गया था। मूलत सांभर निवासी नरेन्द्र कुमार स्वामी ने स्वयं को दादूद्वारा का महंत व ट्रस्ट का अध्यक्ष बतलाते हुए सहायक आयुक्त के उक्त आदेश को चुनौती देते हुए देवस्थान आयुक्त उदयपुर के समक्ष यह अपील प्रस्तुत की गई। जिसमें अपीलार्थी नरेन्द्र कुमार की ओर से यह बताया गया कि वह बालकराम महाराज का शिष्य होने के कारण दादूद्वारा का महंत है और ताल-ट्रस्ट के विधान के अनुसार महंत ही ट्रस्ट का पदेन अध्यक्ष बनने का अधिकारी है। इसके विपरित प्रत्यर्थी की ओर से यह कहा गया कि दादूपंथी समाज के नियमों के अनुसार बाल-ब्रह्मचारी साधु ही दादूद्वारा का महंत बनने का पात्र है। जबकि अपीलार्थी गृहस्थ होकर बाल-बच्चेदार है। दादूपंथी समाज की ओर से उसे कभी मान्यता नहीं दी गई है। बल्कि समस्त दादुपंथी समाज व दादूपंथी साधुओं की सर्वोच्च नरैना पीठ की ओर से संत देवादास महाराज को दादूद्वारा के महंत की गद्दी पर बैठाया गया है। देवस्थान विभाग के आयुक्त वासुदेव मालावत ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद अपने निर्णय में कहा कि अपीलार्थी नरेंद्र कुमार ने स्वयं के महंत होकर अध्यक्ष बनने बाबत कोई दस्तावेज, प्रमाणपत्र या अन्य साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं। उसका नाम पूर्व में कभी रिकार्ड में दर्ज भी नहीं रहा है। जिसके कारण उसे अपील प्रस्तुत करने का अधिकार नहीं है। इस प्रकार सहायक देवस्थान आयुक्त बीकानेर की ओर से महंत देवादास महाराज को अध्यक्ष व शोभाकांत स्वामी को संयोजक मानते हुए ताल ट्रस्ट की कार्यकारिणी के संबंध में पारित आदेश को सही व विधिसम्मत ठहराते हुए अपील को खारिज कर दिया गया।

झूलते तारों से ट्रक में लगी आग, गांव में मची अफरा-तफरी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड के गांव पिचकराईताल में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा उस समय हो गया जब गांव में झूलती 11 हजार केवी की बिजली लाइन एक ट्रक से टकरा गई जिससे गाड़ी में आग लग गई। गाड़ी धू-धू कर जल उठी और गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक आग पर काबू पाया तब तक आग से ट्रक का पिछला हिस्सा ज्यादातर जल गया। गांव के जयप्रकाश सिंह और भंवरलाल स्वामी ने बताया कि गांव में झूलते बिजली के तारों को लेकर कई बार बिजली विभाग को शिकायत दी गई। लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। झूलते तारों के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं और बिजली ट्रिपिंग की समस्या भी बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही समाधान नहीं किया गया तो बिजली निगम के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि ग्राम पंचायत में करीब 1000 से अधिक घर हैं। जहां सभी नियमित रूप से बिजली का बिल भरते हैं। इसके बावजूद विभाग की ओर से लापरवाही बरती जा रही है। इस मौके पर शीशराम कुल्हारी, भंवरलाल स्वामी, हरिराम खोथ, राकेश लोहार, डालाराम सींवर, इमीलाल सिहाग सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। बिजली निगम के अधिशासी अभियंता एमआर गोयल ने कहा कि ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है और जल्द ही झूलते तारों को सही करवाया जाएगा ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो।

सामाजिक संगठनों ने दी विमान हादसे में मृतकों को श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। देश में अहमदाबाद विमान हादसे पर कई सामाजिक संगठनों ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर पुष्पांजलि अर्पित कर मृतकों को श्रद्धांजलि देकर भगवान से प्रार्थना की। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सामाजिक कार्यकता रूपचंद सारण ने नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अहमदाबाद में हुए अत्यंत दुखद विमान हादसे में यात्रियों, पायलटों एवं क्रू सदस्यों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत पर गहरा शोक देशभर में है। साथ ही इस विमान हादसे में कुछ मेडिकल छात्रों की भी मौत हो गई व हादसे में कई घायल हुए हैं। हम सभी शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते है। सरकार तत्काल प्रभाव से मुआवजा राशि को देने की घोषणा करे व जो भी तकनीकी समस्या रही हो उसकी जांच की जाए की ताकि भविष्य में दोबारा इस तरह की भयावह घटना न घटित हो। इस दौरान सभी लोगों ने हादसे में जान गंवाने वालों की याद में पेड़ लगाने का संकल्प लिया। अर्जुन क्लब धर्मशाला में एयर इंडिया गुजरात प्लेन हादसे में हुई श्रद्धांजलि सभा में धिरेन्द्र सैनी, सांवरमल जाखड़, रामपाल चौधरी, रुपचन्द सहारण, शिवकुमार, नीतेश सोनी, श्रवण कम्मा, जगदीश सोनी, पवन पारीक, रूक्मानंद सैनी, मस्तान जिन्द्राण, वाशीद हुसैन, याकूब खान, दिलीप सैनी, लालचंद कम्मा, राहुल राजपुरोहित, रणजीत, अमित, सोनू सोनी, सत्यनारायण सैनी सहित अनेक लोगों ने शोक व्यक्त कर मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

धांधली और भ्रष्टाचार का आरोप, जिला कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। ग्राम पंचायत दुंकर, बेनाथा के ग्रामीणों ने शुक्रवार को जल जीवन मिशन योजना मे भयंकर धांधली और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम अमिलाल यादव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि जल जीवन मिशन योजना के तहत केन्द्र सरकार हर घर जल पहुंचाना चाहती है और इसी उद्देश्य के साथ जल शक्ति मंत्रालय का गठन कर सम्पूर्ण भारत में जल जीवन मिशन योजना शुरू की गई थी। जिसके तहत प्रत्येक ग्राम में उच्च जलाशय का निर्माण करना तथा प्रत्येक गांव की गली गली में पाईन लाइन डालना था। जिसका ठेका बीदासर उपखण्ड क्षेत्र में सवेदक कम्पनी का लिया हुआ है। उक्त संवेदक कम्पनी ने योजना के मापदंडों के अनुसार कार्य नहीं किया है। गांव की गलियों में पाईप लाईने नहीं डाली गई है। केवल दो तीन मुख्य मार्गो पर पाईप लाइन डालकर खानापूर्ति कर ली गई जिस कारण ग्राम के हर घर में नल का कनेक्शन नही हो सकता। इसके अलावा इस योजना में भारत सरकार की ओर से प्रावधान था कि संवेदक गांव की प्रत्येक गली में पाईप लाईन डालकर घर घर का सर्व कर उन घरों के लिए घरेलू कनेक्शन करेगी लेकिन ऐसा नहीं किया गया और संवेदक कम्पनी काम के नाम पर खानापूर्ति कर करोड़ों का भुगतान उठा कर भयंकर भर्ष्टाचार किया है इसके अलावा गांवों में सात सात दिनों तक पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही है जिस कारण लोगों को पीने के पानी के लिए बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है और पांच सौ रुपये देकर पानी के टैंकर डलवाने पड़ रहे है। संवेदक कम्पनी की ओर से जल जीवन मिशन योजना में काम किया है उसको काम का भौतिक सत्यापन करवाया जाकर गबन की गई राशी की वसुली करवाई जाने और ग्रामों में वंचित रही गलियों में पाईप लाइन डलवाकर हर घर जल कनेक्शन करवाने की मांग की। इस मौके पर पूर्व सरपंच कुशलनाथ, रामनिवास भामू, मालाराम, लूणाराम भामू, रामनिवास राव, नानकराम मेघवाल, ज्ञानाराम गोदारा, जितुसिंह राजपूत, ओमप्रकाश आदि उपस्थित रहे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आज

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। नवाब दादा कायम खां के 606 वें शहादत दिवस के अवसर पर इंसानियत एकता सेवा समिति की ओर से शनिवार को जिला मुख्यालय पर नई सड़क स्थित भरतिया कुएं के सामने पास रिलैक्सड फिजियोथैरेपी हॉस्पिटल में प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। समिति संस्थापक करामत खान ने बताया कि शिविर में जनरल फिजिशियन, हड्डी रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ व फिजियोथैरेपिस्ट डॉक्टर की सेवाएं उपलब्ध रहेगी।

राज्य कार्मिक सेवा परिषद ने की 4200 प्राचार्यों का जल्द पदस्थापन करने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राज्य कार्मिक सेवा परिषद की ओर से शिक्षा सचिव-कृष्ण कुणाल, माध्यमिक शिक्षा निदेशक -आषीष मोदी, शिक्षा मंत्री के विशिष्ट सहायक-जयनारायण मीणा का रिव्यु डीपीसी प्राचार्य 2023-24 में शामिल करने पर धन्यवाद दिया। इसी प्रकार नव पदौन्नत प्राचार्यों की जल्द काउंसलिंग करवाकर पदस्थापन करवाने की मांग को लेकर राज्य कार्मिक सेवा परिषद के प्रदेश महासचिव धर्मसिंह मीणा और प्रदेशाध्यक्ष नेमराज बाकोलिया की ओर से ज्ञापन देकर वार्ता की गई। महासचिव धर्मसिंह मीणा ने कहा कि प्राचार्यों का जल्द पदस्थापन किया जाए, जिससे कि नए सत्र में विद्यालयों को 4200 प्राचार्य मिले और नया सत्र अच्छे से शुरू हो सके। जिस पर शिक्षा सचिव, निदेशक माध्यमिक शिक्षा और शिक्षा मंत्री के विशिष्ट सहायक जयनारायण मीणा ने जल्द काउंसलिग कर लगभग 4200 प्राचार्यों का पदस्थापन करने की बात कही। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष नेमराज बाकोलिया, कोषाध्यक्ष महेश कुमार, मनोहर, लक्ष्मीनारायण, सीताराम, हरीकेश बाकोलिया सहित कार्यकारिणी के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

महासम्मेलन को लेकर शहर व ग्रामीण क्षेत्र में जनसंपर्क

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती लाडनू में 15 जून को आयोजित होने वाले अखिल भारतीय श्री वैष्णव धन्नावंशी बैरागी स्वामी समाज महासम्मेलन को लेकर दुलिया बास स्थित स्वामी समाज भवन में बैठक संपन्न हुई। श्री धन्नावंशी बैरागी स्वामी समाज समिति के अध्यक्ष विनोद भास्कर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उपस्थित जनों ने अधिकाधिक संख्या में लाडनूं पहुंचकर सामाजिक एकता, चेतना व जागृति का संदेश देने की बात कही। किशोर दास स्वामी ने बताया कि महासम्मेलन में सामाजिक इतिहास से जुड़ी पुस्तक का विमोचन, समाज के समसायिक मुद्दे, शिक्षा व संगठन से जुड़े विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में स्थानीय युवा समिति के अध्यक्ष रामचंद्र स्वामी, उपाध्यक्ष पूसादास स्वामी, भंडार मंत्री लाल दास स्वामी, व्याख्याता पृथ्वीराज स्वामी, पंकज घासल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पूर्व सरपंच केशव दास स्वामी आबसर, पार्षद सत्यनारायण स्वामी छापर, गणपत दास स्वामी गोपालपुरा, सीताराम स्वामी आबसर सहित अन्य जनों ने आबसर, खालिया, बड़ाबर, जिनरासर, शोभासर, गोपालपुरा, छापर सहित ग्रामीण क्षेत्र में जनसंपर्क कर अधिकाधिक लोगों को लाडनूं महासम्मेलन में पहुंचने के लिए निमंत्रण दिया।

चंगोई मिखाला में जल सरंक्षण व कृषि विभाग की योजनाओं की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। राजस्थान सरकार की वंदे गंगा जल सरंक्षण योजना के तहत शुक्रवार को तारानगर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत चंगोई मिखाला में कृषि विभाग की अधिकारी सविता बुड़ानिया व इनकी टीम की ओर से किसान जगदीश कस्वां के कृषि फार्म हाउस पर जल संरक्षण व कृषि विभाग की अन्य योजना के बारे में किसानों को सूचना प्रदान की गई जिसमें सहायक कृषि का अधिकारी सविता बुडानिया ने बारिश के पानी को डिग्गी व फार्म पॉन्ड के माध्यम से इकट्ठा करके उपयोग में लेने के लिए किसानों को प्रेरित किया और साथ ही साथ कृषि विभाग की अन्य योजनाओं के बारे में भी अवगत करवाया। इस कार्यक्रम में साहवा सहायक अधिकारी ओमप्रकाश, कृषि पर्यवेक्षक अंकित महला, जयकरण कुमावत, गुलाब सिंह, मनीषा सहित बीमा कंपनी प्रतिनिधि कुशाल सिंह चौहान मौजूद रहे।

विमान दुर्घटना मृतकों को श्रध्दा सुमन अर्पित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय जी.के. मॉल में पीपुल यूनिटी संस्थान और सेराजेम थेरेपी सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान के क्रैश होने की दुखद घटना के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। गौरतलब है, इस दुर्घटना में लगभग 268 लोगों की जान चली गई। विमान में 229 यात्री, दो पायलट और 10 क्रू-मेंबर थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्लेन उड़ान भरते ही चंद सैंकण्ड़ों में ही अनियंत्रित होकर एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर गिर गया, जिसमें काफी संख्या रेजिडेंस डॉक्टर मारे गए। इस दुःखद घटना पर शुक्रवार को दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष रघुनाथ खेमका, दयाराम, महमूद मोयल, मुकेश शर्मा, धनराज, नौरंग लाल, दीपक कुमार, पंकज, प्रभाकर, चंदन, अदनान सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरूष उपस्थित रहे।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
14 जून, 2025

जल संसाधन मंत्री आज चूरू में जल परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण और शिलान्यास

जयपुर टाइम्स

चूरू / जयपुर(कासं.)। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत शनिवार को चूरू के दौरे पर रहेंगे। वे 'वंदे गंगा' जन संरक्षण-जन अभियान के तहत तारानगर में जल संसाधन विभाग की ओर से पूर्ण और प्रगतिरत विभिन्न जल संरचनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे से तारानगर स्थित इन्दिरा गांधी नहर परियोजना कार्यालय में शुरू होगा। मंत्री रावत यहां से पम्पिंग स्टेशन 5 चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट और 60 डिग्गीयों के स्प्रिंकलर कार्यों का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही, स्प्रिंकलर कार्य पैकेज एसएल-3 और शहरी जल योजना तारानगर का संवर्धन, पुनरूद्धार व रखरखाव कार्यों का शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वे किसान सभा में भी शामिल होंगे। कार्यक्रम के उपरांत रावत जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

हनुमानगढ़ और चूरू के लिए प्रेशर इरिगेशन कार्यों का शिलान्यास

चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट नहर की सुई सब ब्रांच की भावलदेसर माईनर,

धानसिया माईनर, हरिपुरा माईनर व जैतसीसर माईनर के कुल 12 हजार 447.26 हैक्टेयर कमांड क्षेत्र में प्रेशर इरिगेशन के कार्य कराए जाएंगे। इसके लिए 75.18 करोड़ रूपए के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। इनमें हनुमानगढ़ का 5 हजार 541.37 हैक्टेयर क्षेत्र और चूरू का 6 हजार 905.89 हैक्टेयर क्षेत्र शामिल है। इन कार्यों से हनुमानगढ़ के पाण्डूसर, भावलदेसर, ढाणी भाम्भुआन व धानसिया और चूरू के भाववाला, रायपुरा, जैतसीसर व जैतासर गांवों के 2 हजार 901 परिवार लाभान्वित होंगे। यह परियोजना जल संरक्षण को बढ़ावा देगी और अंतिम छोर तक समुचित मात्रा में सिंचाई जल उपलब्ध कराएगी।

चरणबद्ध रूप से संचालित होंगी 60 डिग्गीयां

जल संसाधन मंत्री के अथक प्रयासों से कई वर्षों से बंद डिग्गीयां अब संचालित होंगी। चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट नहर की कैलाश माईनर,धीरवास माईनर व साहवा वितरिका पर निर्मित 60 डिग्गीयों का विद्युतीकरण कार्य अप्रैल, 2025 में पूर्ण हुआ है। अब इन डिग्गीयों का चरणबद्ध रूप से संचालन और रख-रखाव कार्य (ओ एंड एम) शुरू किया जा रहा है। इस वर्ष खरीफ फसल के लिए इनमें से 10 डिग्गीयों में पाइप नेटवर्क व खालों सहित टेस्टिंग कार्य कर, फव्वारा पद्धति के अंतर्गत ओएंडएम प्रारंभ किया जाएगा। किसानों को दो वर्ष तक विभागीय अभियंताओं की देखरेख में प्रशिक्षित किया जाएगा। शनिवार को रावत इन पूर्ण कार्यों का विधिवत लोकार्पण करेंगे। यह डिग्गीयां 11 हजार 302 हैक्टेयर क्षेत्र में फव्वारा पद्धति से सिंचाई के लिए बनाई गई हैं। इनके सिविल और विद्युतीकरण कार्यों में 71.32 करोड़ रूपए की लागत आई है। इनसे भामरा, लूणास, देवासी, कैलाश, तारानगर, किरसाली कॉधलान, किरसाली ब्राहम्णान, भलाऊ ताल, सुखवासी, चंगोई, पण्डेऊ टिब्बा, धीरवास, झाणसर गंजीया, डाबड़ी छोटी, धीरवास छोटा, सोमसीसर, रैयाटुण्डा, बनियाला, ढाणी माना, भाडंग, झाझंणी, मेघसर, ढाणी मेघसर, कुलडिया की ढाणी, दूलेरी, नेठवा, भलाऊ टिब्बा, भनीण सहित अनेक गांवों को लाभ मिलेगा।

पम्पिंग स्टेशन 05 के लिए 3 पम्प इकाईयां स्थापित, 20 गांव होंगे लाभान्वित

जल संसाधन मंत्री रावत के सतत प्रयासों से चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट के चैनेज 107.500 पर पम्पिंग स्टेशन संख्या 05 को अब संचालन में लाया जा गया है। इस स्टेशन के जरिए गाजुवास माईनर और तारानगर माईनर को जलापूर्ति के लिए 35 क्यूसेक क्षमता की 3 नवीन पम्प इकाइयां और अन्य विद्युत उपकरण स्थापित किए गए हैं। इन कार्यों में 3.79 करोड़ रूपए लागत आई है। इस परियोजना से तारानगर कस्बा, जिगसाना टिब्बा, जिगसाना ताल, जोरजी का बास, सेउवा, ओजरिया, महलाणा, गोगटिया पट्टा चंगोई, बालिया, करनपुरा, इंदासी, लूणास, गोदास, ढाणा भाकरान, बुचावास, गाजूवास, गडाणा, पुनरास, सतमिल, चूना खाती की ढाणी स?हित 20 गांवों को जल उपलब्ध होगा। गौरतलब है कि इस पम्पिंग स्टेशन का निर्माण चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट के चैनेज 107.500 पर वर्ष 2005 में हुआ था। उस समय पानी की कमी होने से यह कार्य अधूरा रह गए था और स्टेशन संचालित नहीं हो पाया था। अब गाजुवास (107.613 कि.मी) और तारानगर माईनर (107.635 कि.मी) पर कार्य पूर्णता के बाद पम्पिंग स्टेशन चालू किया गया है।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने किया 'नशा मुक्त भारत अभियान' पोस्टर का विमोचन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने शुक्रवार को जिला कलक्टर कक्ष में जागरूकता के लिए नशा मुक्त भारत अभियान पोस्टर का विमोचन किया। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग की ओर से मादक पदार्थों के दुरूपयोग व अवैध तस्करी के खिलाफ 26 जून को अन्तर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के उपलक्ष में पोस्टर का विमोचन कर नशा मुक्ति का संदेश दिया और पोस्टर को जिले के हॉट स्पॉट व सार्वजनिक स्थानों, शहर के प्रमुख चौराहों, मॉल, बाजार, बस स्टैण्ड, रेल्वे स्टेशन सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा करते हुए जन-जागरूकता के लिए सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, खेल व युवा मामलात विभाग, उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा विभाग, चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग सहित सभी संबंधित विभागों के हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जिले में नशा मुक्त भारत अभियान को सफल बनाएं। इस अवसर पर एसजेईडी डीडी नगेन्द्र सिंह राठौड़, महिला अधिकारिता विभाग सहायक निदेशक राजेन्द्र सिंह, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रामनिवास भूवाल आदि मौजूद रहे।

सदर थाने पर प्रदर्शन, नाबालिग को बरामद करने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती गांव भोजलाई के लोगों ने सरपंच प्रतिनिधि करणी सिंह के नेतृत्व में सदर पुलिस थाने पर प्रदर्शन किया और नाबालिग बालिका को बरामद करने की मांग की। करणी सिंह ने बताया कि 5 जून को थाने में बालिका की गुमशुदगी दर्ज करवाई गई थी। घटना के तहत एक 4 जून को नाबालिक को एक युवक बाईक पर उठा ले गया। उसके बाद गुमशुदगी दर्ज करवाने के बाद भी पुलिस की ओर से कोई संतोषजनक कार्यवाही नहीं की गई। जिसके चलते सभी समाज के लोग थाने पर आए हैं और पुलिस से जल्द कार्यवाही की मांग की। दूसरी ओर थाने के गेट पर ही गांव के लोग सांकेतिक धरने पर बैठ गए। जिसके बाद सब इंस्पेक्टर गोपाल ने सभी से समझाईश की और कहा कि पांच दिनों में पुलिस मामले में कोई न कोई परिणाम सामने लाएगी। जिस पर ग्रामीणों ने कहा कि हम लोग भी पुलिस की हरसंभव मदद करेंगे। लोगों ने सदर थाने के बाहर नारेबाजी भी की। इस दौरान कालूराम, करणीसिंह, सवाई सिंह, हंसराज नायक, जयचंद, रामचंद्र, भगाराम जाट, भागीरथ राम मेघवाल, नौरंग सिंह, प्रभुराम सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत आज तारानगर आएंगे

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत शनिवार को जिले के तारानगर में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जल संसाधन मंत्री रावत 14 जून को सवेरे 09.15 बजे चूरू से प्रस्थान कर तारानगर पहुंचेंगे और सवेरे 10.30 बजे 'वंदे गंगा– जल संरक्षण जन अभियान' अंतर्गत पंपिंग स्टेशन 05 चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट का लोकार्पण, 50 डिग्गियों के स्प्रिंकलर कार्यों का लोकार्पण, स्प्रिंकलर कार्य पैकेज एसएल 3 का शिलान्यास, शहरी जल योजना तारानगर का संवर्धन, पुनरूद्धार व रख–रखाव कार्यों का शिलान्यास करेंगे और इंदिरा गांधी नहर परियोजना कार्यालय 10 खण्ड में किसान सम्मेलन में शिरकत करेंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

15 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति पर राज्य सरकार का जताया आभार

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए विधानसभा में बजट घोषणा 2025 के तहत घोषित 15 करोड रुपए की लागत से मिसिंग लिंक सड़कें और पुरानी सड़कों के नवीनीकरण व सुदृढ़ीकरण के कार्य की वित्तीय स्वीकृति जारी हो गई है, जिसके लिए क्षेत्रीय विधायक मनोज मेघवाल ने राज्य सरकार का आभार जताते हुए जनता को बधाई दी है। विधायक मनोज मेघवाल ने बताया कि गांव मलसीसर से लोड़सर, सडू से आसरासर तक अधूरी सड़क का शेष बचा निर्माण कार्य, जोगलसर से टालनियाऊ नागौर सीमा तक, दूंकर से बैनाथा स्टैंड तक की सड़क बनेगी। इसी प्रकार कल्याणसर से कल्याणसर फांटा तक नवीनीकरण, साजनसर से रेडा तक नवीनीकरण, सडू से ईयारा तक, बिदासर से रामदेवरा तक, शोभासर से चारिया वाया मुरडाकिया तक, डूंगर बालाजी से डूंगरास आथूना, गेडाप से करेजडा फांटा तक, गिरवरसर से राजेडू सड़क तक, बाघसरा आथूना से ढिकलान ताल तक नवीनीकरण व सुदृढ़ीकरण के कार्य होंगे।

आज की पर्यावरण संरक्षण गतिविधियां ही सुरक्षित भविष्य की नींव: जसवंत सिंह

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह ने रतनगढ़, परसनेऊ में पीएचईडी कार्यों का किया निरीक्षण, राजलदेसर में नर्सरी का अवलोकन कर दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू/राजलदेसर(निस)। बीकानेर अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह ने 'वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान' अंतर्गत शुक्रवार को जिले के रतनगढ़ में हुडेरा रोड़ स्थित पीएचईडी के उच्च जलाशय के सफाई कार्यक्रम, परसनेऊ में अमृत सरोवर का निरीक्षण व राजलदेसर में वन विभाग की नर्सरी का निरीक्षण किया। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह ने उच्च जलाशय का वॉल्व खुलवाकर सफाई का वॉश आउट सफाई कार्य करवाया और खण्ड के अधीन समस्त उच्च जलाशयों, स्वच्छ जलाशयों, एवं भू-तल जलाशयों में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थितों को प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान 'वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान' के बारे में समुचित जानकारी देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर हमारी आज की गतिविधियां सुरक्षित भविष्य की नींव है। हमें अपने परिवेश को सुंदर, स्वच्छ व हरा-भरा बनाने के लिए संकल्पित रहना होगा। हमारी दैनिक आदतों में पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों को शामिल करें। इसी के साथ अभियान अंतर्गत अधिकाधिक सहभागिता निभाते हुए अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने उपस्थितों

को जल संरक्षण करने का संकल्प दिलाया। इसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत परसनेऊ में अमृत सरोवर का निरीक्षण कर पौधरोपण किया और ग्रामवासियों से संवाद करते हुए अभियान की जानकारी दी। इसी के साथ उन्होंने राजलदेसर में वन विभाग की नर्सरी का अवलोकन किया तथा तैयार पौधों की जानकारी लेते हुए वृक्षारोपण अभियान की पूर्व तैयारी के निर्देश दिए। इस दौरान अधिशाषी अभियंता महेन्द्र कांटीवाल, विष्णु शर्मा, रेखा गौड़, गिरधारी लाल प्रजापत, कन्हैयालाल व वार्डवासी मौजूद रहे।

अवैध डोडा पोस्त तस्करी पर कार्रवाई, 15 किलो 660 ग्राम डोडा पोस्त जब्त

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड के भानीपुरा थाना की पुलिस टीम की ओर से अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध डोडा पोस्त छिलका के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। भानीपुरा थाना अधिकारी राय सिंह सुथार के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में भानीपुरा पुलिस ने 15 किलो 660 ग्राम अवैध डोडा पोस्त छिलका जब्त किया है। भानीपुरा थाना अधिकारी राय सिंह सुथार ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे हैं अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधिक अधीक्षक लोकेंद्र दादरवाल, वृताधिकारी रोहित सांखला के सुपरविजन में भानीपुरा पुलिस टीम की ओर से गस्त के दौरान नशे के व्यापार में अवैध तरीके से लिप्त आरोपी गुरप्रीत सिंह पुत्र जोगेंद्र सिंह सिख उम्र 41 साल निवासी पंजाब व गुरप्रीत सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह सिख उम्र 35 साल निवासी पंजाब के कब्जे से अवैध डोडा पोस्त छिलका जब्त कर गिरफ्तार किया गया है। अवैध जब्तशुदा डोडा पोस्त छिलका की अनुमानित कीमत 2

लाख 35 हजार रुपए बताई जा रही हैं। भानीपुरा पुलिस टीम की कार्रवाई में थाना अधिकारी राय सिंह सुथार, हेड कांस्टेबल रामचंद्र बुडानिया, विनोद कुमार, कांस्टेबल भोजूराम, हरेंद्रपाल की विशेष भूमिका रही है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दूसरा घायल

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड के भानीपुरा थाना अंतर्गत गांव जैतसीसर के पास पिकअप व बाइक की जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर में बाइक चालक की मौत हो गई, वही बाइक के पीछे बैठा बाइक सवार घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस के सहयोग से बाइक सवार दोनों घायलों को राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया। एक घायल का उपचार जारी है। सूचना पर अस्पताल पहुंची भानीपुरा पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों पर सुपुर्द कर दिया। मृतक के भाई गांव रायपुरा निवासी विनोद कुमार पुत्र सुखराम मेघवाल ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि मेरा भाई मानाराम व जगदीश प्रसाद गांव जैतसीसर से मोटरसाइकिल पर अपने गांव रायपुर आ रहे थे। गांव जैतसीसर के ईंट भट्टे के पास पहुंचे तो सामने से आ रही है एक पिकअप के चालक ने पिकअप को तेज गति व लापरवाही से चला कर सही साइड में चल रहे मेरे भाई की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। जिससे मेरा भाई

व पीछे बैठा जगदीश प्रसाद मोटरसाइकिल से सड़क पर गिरने से घायल हो गए। मेरे भाई के सिर में व शरीर पर गंभीर चोटें लगी। मौके पर पीछे से आ रहे रामनिवास सहू व ख्यालीराम मेघवाल ने दोनों को संभाला और दोनों घायलों को गांव जैतसीसर के राजकीय अस्पताल लेकर आए। वहां पर मेरे भाई की स्थिति गंभीर होने के कारण मेरे भाई को सरदारशहर के राजकीय उप जिला अस्पताल में रेफर कर दिया। गांव जैतसीसर से निकलते ही रास्ते में मेरे भाई की मौत हो गई। मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे जगदीश प्रसाद के चोटें लगी है जिसका उपचार जारी है। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी।

वक्फ बोर्ड संपत्ति की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। वक्फ बोर्ड संपत्ति की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर शुक्रवार को शहरवासियों ने अब्दुल मन्नान के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि उस्मानाबाद कॉलोनी में वक्फ बोर्ड राजस्थान की ओर से विभिन्न शर्तों और डेवलपमेंट के नाम पर उक्त कॉलोनी में प्लाट काटने की अनुमति दी गई थी, अभी तक विकास के नाम पर कुछ भी राशि इस कॉलोनी में खर्च नहीं की गई है, जिसमें मुख्य रूप से गार्डन, कम्युनिटी सेंटर और स्कूल शामिल है। इसके अतिरिक्त इंतजामिया कमेटी की ओर से भू-माफियाओं के साथ मिलकर बहुत सारे लीज होल्डर के प्लाट का अवैध बेचान कर दिया गया हैं। मनान ने बताया कि जिसमें मेरा स्वयं का प्लाट नं. 157 है, जिसे

मेरी बिना अनुमति के फर्जी कागजात बनाकर बेच दिया गया है। इसके अलावा भी अनेक लोगों से इसी प्रकार फर्जीवाड़ा किया गया है, जिसकी ज्ञापन के माध्यम से उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई। इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में अनवर अली, कासम अली, इंतजार खान, उस्मान, अतादिन, अमन सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

हरियालो राजस्थान अभियान की रखें पूर्व तैयारी, एमजेएसए के कार्य समय पर पूरे करें: सुराणा

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने ग्रामीण विकास व पंचायती राज विभाग की योजनाओं की समीक्षा की

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने शुक्रवार को डीओआईटी वीसी सभागार में ग्रामीण विकास व पंचायती राज विभाग योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि हरियालो

राजस्थान अभियान को लेकर पौधरोपण आदि की पूर्व तैयारी रखें और वृक्षारोपण हेतु आवश्यक पौध, खाद, गड्ढे आदि समय पर तैयार किए जाएं। इसी के साथ आंचलिक भौगोलिक परिस्थितियों के अनुकूल पौधरोपण किया जाए। उन्होंने कहा कि एमजेएसए 2.1 अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता से पूरे करें। इसी के साथ कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान अंतर्गत सीएसआर से अधिकतम कार्य किए जाएं। सीएसआर से रिचार्ज वेल आदि संरचनाएं विकसित करें। सुराणा ने कहा कि 'वंदे गंगा– जल संरक्षण जन अभियान अंतर्गत नियमित गतिविधियां आयोजित करें और जागरूकता बढ़ाते हुए जल संरक्षण गतिविधियों में नागरिकों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा रसोईयों का नियमित निरीक्षण करें और गुणवत्ता व सेवाओं पर विशेष फोकस किया जाए। स्वामित्व योजना अंतर्गत पट्टे जारी करें और महानरेगा योजनांतर्गत मस्टरोल जारी कर ग्रामीण विकास को गति दें। सीईओ श्वेता कोचर ने ग्रामीण विकास व पंचायतीराज विभाग की योजनाओं व गतिविधियों की जानकारी देते हुए विकास अधिकारियों को दिशा– निर्देशों समुचित पालना के निर्देश दिए। इस दौरान एसीईओ दुर्गा ढाका, वाटरशेड एसई मजहर अली, एक्सईएन हरिराम माहिच, एक्सईएन मानसिंह, लेखाधिकारी चैनाराम बेनीवाल, एसबीएम जिला समन्वयक श्यामलाल शर्मा, राजेश कुमार, राजवीर दनेवा आदि उपस्थित रहे तथा वीसी के जरिए सभी ब्लॉकों से विकास अधिकारी जुड़े रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।